रीवा
10 नवंबर 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

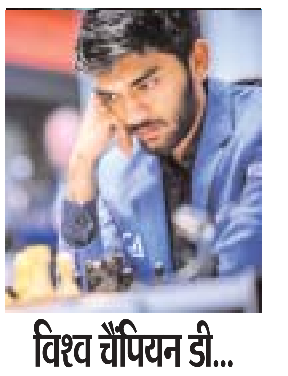

विश्व चैंपियन डी...

@ पेज 7

अजीत पवार के बेटे की कंपनी का एक और घोटाला, सरकारी जमीन हड़पने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार की कंपनी अमेडिया होल्डिंग्स का एक और जमीन घोटाला सामने आया है। नया मामला बोपोडी इलाके का है। यहां कृषि विभाग की जमीन होने के बावजूद, तहसीलदार के साथ मिलकर जमीन हड़पने और फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप लगे हैं।

इस मामले में अमेडिया कंपनी के डायरेक्टर दिग्विजय अमरसिंह पाटिल समेत 9 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इससे पहले, 6 नवंबर को पार्थ पवार की कंपनी पर पुणे के मुंढवा में करोड़ों की जमीन हड़पने का आरोप लगा था। मामले में एक अधिकारी को सस्पेंड भी कर दिया गया है। सरकार ने जांच के लिए हाई-लेवल कमेटी बनाई है।

जैसलमेर में सेना की मिसाइल टारगेट से चूकी

गांव से 500 मीटर पहले गिरी, तेज धमाके से दहशत

जैसलमेर, एजेंसी। जैसलमेर में सैन्य अभ्यास के दौरान मिसाइल मिस फायर हो गई। टारगेट से मिस हुई मिसाइल रेंज के पास ही भादरिया गांव के पास गिरी। मिसाइल गिरते ही तेज धमाका हुआ। इससे आसपास के गांवों में दहशत फैल गई। किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। घटना शनिवार शाम 4 बजे पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज की है। सूचना पर स्थानीय पुलिस और सेना की टीम मौके पर पहुंची। मिसाइल के पिछले हिस्से के मलबे को पिकअप गाड़ी में लादकर फील्ड फायरिंग रेंज में ले गए। बाकी के टुकड़ों की तलाश की जा रही है। सैन्य सूत्रों के अनुसार जैसलमेर के लाठी क्षेत्र में पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शनिवार को भारतीय वायु सेना का नियमित अभ्यास चल रहा था। इस दौरान दागी गई एक मिसाइल टारगेट से भटक गई। मिसाइल फील्ड फायरिंग रेंज की वायरिंग के पास भादरिया गांव से 500 मीटर दूर गिरी। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी।

धीरेंद्र शास्त्री बोले- हिंदुओं सेना को पैसा दान करो, पाकिस्तान उड़ाने के काम आएगा

फरीदाबाद, एजेंसी। बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन एकता पदयात्रा का आज (9 नवंबर) हरियाणा में दूसरा दिन है। यात्रा सुबह 8 बजे से फरीदाबाद के दशहरा ग्राउंड से शुरू हुई। इस दौरान उनके साथ कथावाचक अनिरुद्धाचार्य भी मौजूद रहे। उन्होंने भगवा ध्वज फहराकर सनातन के जयकारे लगाए। अभी यात्रा बल्लभगढ़ अनाज मंडी में दोपहर के भोजन के लिए रुकी हुई है।

भोजन के बाद यात्रा NH-19 मार्ग से एलसन चौक और जेसीबी चौक होते हुए 15 किलोमीटर का चलकर यात्रा सीकरी गांव पहुंचेगी। यहां शगुन गार्डन में यात्रा का रात्रि ठहराव होगा।

उधर, यात्रा के दौरान सुरक्षा घेरा तोड़कर एक युवक धीरेंद्र शास्त्री की ओर बढ़ने लगा।

उत्तराखंड की रजत जयंती

पीएम मोदी बोले- उत्तराखंड का असली परिचय आध्यात्मिक शक्ति दुनिया की स्पिरिचुअल कैपिटल के रूप में स्थापित हो सकते हैं

8260 करोड़ की सौगात, कई योजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की रजत जयंती पर आज पीएम मोदी देहरादून पहुंचे। फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (FRI) में 29 मिनट के भाषण की शुरुआत उन्होंने गढ़वाली बोली में की। उन्होंने कहा-

भय-बंधों, दीदी भुल्यों दयाणा स्याणां...आप सबुकई मेरू नमस्कार।

इसके बाद उन्होंने सभी उत्तराखंडियों को राज्य गठन के 25 साल पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा- तीर्थाटन और बरामासी पर्यटन उत्तराखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, राज्य का असली परिचय उसकी आध्यात्मिक शक्ति है। ये दुनिया की स्पिरिचुअल कैपिटल के रूप में स्थापित हो सकता है।

पीएम ने मंच से बटन दबाकर 8140 करोड़ की योजनाएं भी शुरू कीं। उन्होंने कहा कि कई बार इस राज्य के विकास पर ब्रेक लगा है, लेकिन हमने सुनिश्चित किया है कि ये ब्रेक ना लगे। अगस्त 2014 के बाद 30वीं बार उत्तराखंड पहुंचे मोदी से पहले मंच को संबोधित करते हुए सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उनकी जमकर तारीफ की, मंच से ही उन्होंने एक कविता पढ़कर पीएम को राष्ट्रऋषि बताया।

मोदी बोले- यहां के 15 कृषि उत्पादों को जीआई टैग मिला

मोदी ने कहा कि वेडिंग डेस्टिनेशन में भी उत्तराखंड लोकप्रिय हो रहा है। मेरा अभियान है- वेड इन इंडिया। साथियों ने देश ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया है। इसका रास्ता वोकल फॉर लोकल से पूरा होगा। मुझे खुशी है कि यहां अभियान को तेज गति मिली है। यहां 15 कृषि उत्पादों को जीआई टैग मिला है। बद्री गाय का घी पहाड़ के हर घर की शान है। बेंडू अब बाहर के बाजारों तक पहुंच रहा है। वो उत्पाद जहां जाएगा, अपने साथ उत्तराखंड की पहचान भी ले जाएगा। मोदी ने कहा कि आप सभी को फिर से हार्दिक शुभकामनाएं। आज से 25 साल बाद जब देश आजादी के 100 साल बनाएगा तो अभी से लक्ष्य बनाएं। भारत सरकार उत्तराखंड सरकार के साथ खड़ी है। हर परिवार, नागरिक के उज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

मोदी बोले- उत्तराखंड फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है-उत्तराखंड में 12 महीने पर्यटन की संभावना रही है। मुझे खुशी है कि राज्य विंटर टूरिज्म को नया आयाम दे रहा है। सर्दियों में पर्यटकों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। 3 साल पहले आदि कैलाश यात्रा में 2 हजार श्रद्धालु आते थे, अब 30 हजार आते हैं। इको टूरिज्म की बहुत संभावना है। उत्तराखंड अब फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में भी उभर रहा है।

भाजपा सांसद निशिकांत बोले- राहुल गांधी बूढ़े हो गए हैं

● शादी नहीं की, इसका मतलब नहीं कि जवान ही रहेंगे; जब संपत्ति नहीं तो विदेश क्यों जाते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत सिंह ने राहुल गांधी के विदेश दौरे पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि जब आपका परिवार कहता है कि उसके पास कोई संपत्ति नहीं है, तो सारा पैसा कहां से आ रहा है। आप कोलंबिया या कंबोडिया क्यों जा रहे हैं, किस वजह से। आपके परिवार की इटली में क्या संपत्ति है। हर चीज की जांच होगी। निशिकांत ने कहा- जब आपका परिवार कहता है कि उनके पास कोई संपत्ति नहीं है, तो सारा पैसा कहां से आ रहा है। आप कोलंबिया या कंबोडिया क्यों जा रहे हैं। परिवार की इटली में क्या संपत्ति है? हर चीज की जांच होगी।

निशिकांत बोले- राहुल के पास पैसा कहां से आ रहा: राहुल गांधी की शादी नहीं हुई तो इसका मतलब ये नहीं कि वे युवा हैं। मेरी और राहुल गांधी की उम्र बराबर है। मेरे दो बेटे हैं, वे शादी की उम्र के हैं।

बंगाल के तारकेश्वर में 4 साल की बच्ची से रेप

गाल पर दांतों से काटा, नाली में फेंक गए

● दादी के पास सोई थी, मच्छरदानी काटकर उठा ले गए

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के तारकेश्वर में एक चार साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। घटना शनिवार की है। बच्ची रेलवे शेड में अपनी दादी के पास सो रही थी, तभी आरोपी उसे मच्छरदानी काटकर उठा ले गए।आरोपियों ने बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसे नाली में फेंक दिया था। जब बच्ची नहीं मिली तो परिजन ने उसकी खोजबीन शुरू की। मासूम नाली के पास खून से लथपथ बेहोशी की हालत में मिली। उसके गालों पर दांतों से काटने के निशान भी थे।

बंजारा समुदाय की बच्ची को पहले लोकल हॉस्पिटल ले जाया गया। बाद में चंदननगर सब-डिवीजन हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया।

भाजपा का आरोप- बंगाल की कानून व्यवस्था चरमरा गई

विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि तारकेश्वर पुलिस शुरू में इस घटना पर प्राथमिकी दर्ज करने में आनाकानी कर रही थी। ङ्ग पर एक पोस्ट में अधिकारी ने पुलिस पर राज्य की नकली कानून-व्यवस्था की इमेज बचाने की सच्चाई छिपाकर अपराध को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने पोस्ट में लिखा- ममता बनर्जी, आप एक असफल मुख्यमंत्री हैं। आपके शासन में पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था चरमरा गई है।

परिवार बोला- हमारे घर तोड़ दिए गए, इसलिए सड़कों पर रह रहे : पीड़ित बच्ची की दादी ने बताया कि उन्हें सुबह 4 बजे तक पता ही नहीं चला कि बच्ची को कोई उठा ले गया है। जब वह मिली तो उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। महिला ने बताया कि हम सड़कों पर रहते हैं क्योंकि उन्होंने हमारे घर तोड़ दिए हैं। हम कहां जाएं। हमारे पास कोई घर नहीं है।

गुजरात एटीएस ने आईएसआईएस के तीन आतंकी पकड़े, देश में कई जगह हमले करने की प्लानिंग कर रहे थे

हथियार जमा करने पहुंचे थे गुजरात

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात एटीएस ने आतंकी गतिविधियों में शामिल तीन लोगों को अहमदाबाद के अडालज से गिरफ्तार किया है। एटीएस टीम पिछले कुछ दिनों से इन पर नजर रख रही थी। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद एटीएस ने रविवार सुबह तीनों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला है कि तीनों आईएसआईएस के लिए काम कर रहे थे।

दो यूपी से, एक हैदराबाद का निवासी प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए दो आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा आतंकी हैदराबाद का निवासी है। तीनों यूपी से गुजरात के अडालज पहुंचे थे। इनके पास से तीन पिस्तौल, 30 कारतूस और भारी मात्रा में केमिकल बरामद किया गया है।

देश में कई जगहों पर हमले की योजना थी एटीएस को जानकारी मिली है कि आतंकी हथियार जमा करने के लिए गुजरात आ रहे थे और इनकी योजना देश में कई जगहों पर हमले करने की थी। तीनों आतंकी दो अलग-अलग मॉड्यूल का हिस्सा हैं। एटीएस के रडार पर मौजूद आतंकी देश में किन जगहों पर हमला करने वाले थे, इसकी जाच शुरू कर दी गई है। गुजरात एटीएस दोपहर करीब 1:30 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आगे की जानकारी देगी। 4 महीने पहले भी पकड़ाए थे 4 आतंकी इससे पहले गुजरात एटीएस ने अगस्त महीने में चार आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इनमें से दो को गुजरात, एक दिल्ली और एक नोएडा से अरेस्ट किया गया था। चारों नकली नोटों के रैकेट और आतंकी संगठन से लोगों को जोड़ने का काम कर रहे थे।

कश्मीर में पाकिस्तान का नेटवर्क, 120 जगह छापे, सिम कार्ड, डिजिटल डिवाइस जब्त

आतंकियों के मददगार 2 पुलिस अधिकारी बर्खास्त

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में दो पुलिस अधिकारियों को आतंकवादियों से संबंध रखने और उनकी मदद करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्त अधिकारियों की पहचान अब्दुल लतीफ और मोहम्मद अब्बास के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अब्दुल लतीफ आतंकवादियों के संपर्क में था और उनका सपोर्ट कर रहा था। FIR दर्ज की गई है और वह फिलहाल डोडा जेल में बंद है। वहीं दूसरे अधिकारी के खिलाफ 4 FIR दर्ज हैं। कश्मीर में आतंक नेटवर्क को तोड़ने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। जम्मू-कश्मीर पुलिस, काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की संयुक्त टीमों ने 120 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापों के दौरान मोबाइल फोन, सिम कार्ड, डिजिटल डिवाइस और अन्य सामग्री जब्त की गई थी।

भागवत बोले-संघ को 3 बार बैन किया, तब मान्यता मिली

आरएसएस भगवा को गुरु मानता है, लेकिन तिरंगे का बहुत समान करते हैं

बेंगलुरु, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस्स) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि हमारे संगठन को व्यक्तियों के एक निकाय के रूप में मान्यता दी जाती है। संघ की 1925 में स्थापना हुई थी। क्या आपको लगता है कि ब्रिटिश सरकार इसका रजिस्ट्रेशन करती? असल में कांग्रेस आरोप लगाती है कि ऋस्स बिना रजिस्ट्रेशन के ही चलने वाला संगठन है।

भागवत ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य नहीं किया। हम लोगों के समूह की श्रेणी में आते हैं और हम एक जाना-माना संगठन हैं। इनकम टैक्स विभाग और अदालतें ऋस्स को लोगों का

समूह मानती हैं। हमारे संगठन को इनकम टैक्स से छूट दी गई थी। भागवत ने कहा कि संगठन को तीन बार बैन किया गया। इसके बाद हमारे संगठन को मान्यता दे दी। अगर हम नहीं थे, तो किस पर प्रतिबंध लगाया? ऐसी कई चीजें हैं, जो रजिस्टर्ड नहीं है। हिंदू धर्म भी रजिस्टर्ड नहीं है। संघ भगवा झंडे को मानता है, तिरंगे को नहीं, इस मुद्दे पर भागवत ने कहा कि संघ में भगवा को गुरु मानते हैं, लेकिन हम तिरंगे का बहुत सम्मान करता है। भागवत ने यह बात विश्व संवाद केंद्र कर्नाटक में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। एक दिन पहले भी भागवत ने इसी कार्यक्रम को संबोधित किया था। जिसमें उन्होंने हिंदू राष्ट्र को लेकर अपनी बात रखी थी। इस मौके पर आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले और कई सामाजिक हस्तियां मौजूद थीं।

दिल्ली एयरपोर्ट के ट्रैफिक सिस्टम पर साइबर हमले का शक

अचानक आई खराबी की हाई लेवल जांच शुरू, फ्लाइटस ऑपरेशन 12 घंटे प्रभावित रहा था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक सिस्टम में आई खराबी की उच्च स्तरीय जांच शुरू हो गई है। यह फैसला केंद्र सरकार ने शुक्रवार शाम को ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) कार्यालय में बैठक में लिया। इसमें एयरपोर्ट, सुरक्षा एजेंसियों समेत अन्य सभी स्टेकहोल्डरों को बुलाया गया था।

जांच में ये भी देखा जाएगा कि कहीं इसमें बाहरी ताकत या साइबर हमले का हाथ तो नहीं था।

7 नवंबर को IGI पर ATC के ऑटोमैटिक मैसेज स्विच सिस्टम (AMSS) में तकनीकी खराबी से फ्लाइटस ऑपरेशन 12 घंटे से ज्यादा प्रभावित रहा था। 800 से ज्यादा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स देरी से उड़ीं थीं, जबकि 20 को रद्द करना पड़ा था। एयरपोर्ट का ऑपरेशन 48 घंटे के बाद नॉर्मल हुआ।

साइबर हमले का शक: एटीसी (एयर ट्रैफिक कंट्रोल) के सूत्रों ने बताया कि ऑटोमैटेड सिस्टम लागू होने के बाद से इतनी देर तक खराबी रहने की यह पहली घटना है। लगभग 24 घंटे तक दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन बाधित रहा। ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (AMSS) में गड़बड़ी इस बात का साफ संदेह है कि ये बड़ा कोऑर्डिनेटेड साइबर अटैक हो सकता है।

मां ने जन्म के 2 घंटे बाद बेटे को मारा, चिल्लाने की आवाज नहीं आए इसलिए बच्चे का मुंह दबाया, फिर गला घोंट दिया

चूरू, एजेंसी। चूरू के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में नवजात की मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मां गुड्डी देवी (40) ने ही जन्म के 2 घंटे बाद नवजात का गला घोंटकर हत्या कर दी थी। किसी को बच्चे के चिल्लाने की आवाज नहीं आए, इसलिए पहले उसका मुंह दबाया और फिर गला घोंट दिया।नवजात की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद इसका खुलासा हुआ। महिला की बड़ी बहन ने कोतवाली थाने में हत्या का मामला दर्ज करवाया है। बेटे की हत्या के बाद भी मां के चेहरे पर कोई मलाल नहीं था। फिलहाल आरोपी डीबी अस्पताल में भर्ती है। डिस्चार्ज होने के बाद उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

पति 10 साल से चारपाई पर, परिवार की स्थिति खराब : थानाधिकारी सुखराम चोटिया ने बताया- अजीतसर निवासी मैना देवी ने रिपोर्ट दी कि गुड्डी देवी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। उसने रिपोर्ट में बताया- छोटी बहन गुड्डी की शादी उसके देवर ताराचंद के साथ 24 साल पहले हुई थी।

गुड्डी का पति ताराचंद को 10 साल पहले पैरालिसिस हो गया था, तब से वह चारपाई पर पड़ा है। परिवार की आर्थिक हालत खराब होने की वजह से गुड्डी मानसिक रूप से परेशान रहती थी। 6 नवंबर की रात करीब 11 बजे गुड्डी को प्रसव पीड़ा हुई थी। इस पर हम उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे।

मां ने ही गला दबाकर की थी हत्या

मैना ने बताया- सुबह उठकर मैं गुड्डी के पास गई, तब बच्चा कोई हरकत नहीं कर रहा था। नवजात के गले पर दबाने के निशान थे। इस पर नवजात को डॉक्टर के पास लेकर गए। डॉक्टर ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। मैंने आकर गुड्डी को यह बात बताई तो वह रोने लगी और कहा- मुझसे गलती हो गई। मैना ने रिपोर्ट में बताया कि 7 नवंबर 2025 की रात करीब 2 से 4 बजे के बीच गुड्डी ने गला दबाकर बच्चे की हत्या कर दी थी। पुलिस ने गुड्डी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है और जांच में जुटी है।

उसी रात गुड्डी के नॉर्मल डिलीवरी से बेटा हुआ था। गुड्डी के 3 साल पहले भी बेटा हुआ था, जिसके बाद से उसका पति मानसिक रूप से भी बीमार रहने लगा। मैना ने बताया- प्रसव के बाद गुड्डी रोने लगी और कहा- उसके पहले से 4 बच्चे हैं। पति भी बीमार है, अब कौन कमाएगा। इस बीच उनको वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। रात को सभी सो गए थे।

दिल्ली में जल्द दौड़ेंगी सहकारी टैक्सियां, अगले महीने से यात्रा हो सकती है सस्ती और सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में निजी कंपनियों की टैक्सी सेवाओं को टक्कर देने के लिए दिल्ली सरकार सहकारी टैक्सी सेवा शुरू करने जा रही है। केंद्र के सहयोग से शुरू होने वाली यह पहल न केवल यात्रियों के लिए सस्ती होगी बल्कि टैक्सी चालकों के लिए भी बिना कमीशन की कमाई का नया अवसर बनेगी।

केंद्र सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सहयोग से दिल्ली में इस माह भारत टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी चल रही है। दिल्ली सरकार और मंत्रालय के बीच बातचीत अंतिम चरण में है। योजना के तहत टैक्सी सेवा पूरी तरह सहकारी मॉडल पर संचालित होगी जिसमें संचालन और प्रबंधन की जिम्मेदारी सहकारी संस्थाओं के पास रहेगी। इस परियोजना के तहत केंद्र के सहयोग से दिल्ली सरकार सहकारिता विभाग को फिर से मजबूती से खड़ा करने की तैयारी कर रही है।

योजना के लिए भारत टैक्सी नाम से ऐप बनाया जा रहा है जो सब्सक्रिप्शन मॉडल पर चलेगा यानी सेवा प्रदाता कोई कमीशन नहीं लेगा और टैक्सी चालकों को किराये से होने वाली पूरी कमाई अपने पास रखने की अनुमति होगी। इससे यात्रियों को भी सस्ते किराये का लाभ मिलेगा। उम्मीद है कि नवंबर के आखिर तक भारत टैक्सी मोबाइल ऐप सभी मोबाइल प्लेटफॉर्म पर आ जाएगा और दिल्ली में गाड़ियां सड़कों पर उतर जाएंगी।

सेवा की फीजिबिलिटी पर काम जारी: दिल्ली सरकार के सहकारिता विभाग के मुताबिक भारत टैक्सी सेवा की डिजाइनिंग और व्यवहार्यता (फीजिबिलिटी) पर काम जारी है। शुरुआती चरण में इसके तकनीकी, आर्थिक और प्रायोगिक पहलुओं का मूल्यांकन किया जा रहा है ताकि योजना तय समय पर शुरू की जा सके। दिल्ली के अलावा गुजरात और महाराष्ट्र में भी इस पर काम चल रहा है।

इसमें बड़ी सहकारी समितियों की भागीदारी: योजना को आठ बड़ी सहकारी समितियों के सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है। इनमें एनसीडीसी, इफ्को, जीसीएमएमएफ (अमूल), एनसीईएल, एनडीडीबी, नाबार्ड, कृभको और नेफेड शामिल हैं। केंद्र और दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर मिलें और निजी ऐप कंपनियों पर निर्भरता घटे।

महिलाओं की सुरक्षा का विशेष ख्याल: महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस सेवा से महिला टैक्सी ड्राइवरों को भी जोड़ा जाएगा। टैक्सियों में इमरजेंसी सिग्नल की सुविधा और मोबाइल ऐप में इमरजेंसी बटन रहेगा, जिससे जरूरत पड़ने पर यात्री सीधे पुलिस से संपर्क कर सकेंगे। दिल्ली सहकारिता विभाग के मुताबिक एक बार ऐप आने पर इसमें वे सभी जरूरी फीचर्स होंगे जो किसी भी कैब ऐप के लिए बेहतर मॉडल बनेगा।

150 से 200 रुपये चुकाने पड़ते हैं 10 किमी के लिए: राजधानी में फिलहाल 1.5 लाख टैक्सियां चल रही हैं जिनमें ज्यादातर निजी कंपनियों से जुड़ी हैं। इन ऐप बेस्ड कैब में 10 किलोमीटर का किराया 150 से 200 रुपये तक होता है जो आम लोगों की जेब पर भारी पड़ता है। नई सहकारी टैक्सी योजना में ड्राइवर और ग्राहक के बीच कोई बिचौलिया नहीं होगा इसलिए किराया स्वाभाविक रूप से सस्ता रहेगा।

पारदर्शी ढांचे में किराया तय होगा: पूर्व आप सरकार ने टैक्सी किराया नियंत्रित करने के लिए एग्रीगेटर पॉलिसी बनाई थी लेकिन किराया तय करने का अधिकार कंपनियों के पास ही रहा। सरकार केवल शिकायत आने पर ही हस्तक्षेप कर सकती थी। नतीजा यह हुआ कि किराया बढ़ता गया और ड्राइवरों व यात्रियों को फायदा नहीं हुआ। सहकारी मॉडल इस समस्या को खत्म करेगा। अब कोई निजी प्लेटफॉर्म कमीशन नहीं लेगा और पारदर्शी ढांचे में किराया तय होगा।

देश में बढ़ता सरकारी टैक्सी मॉडल: केंद्र की सहकारिता टैक्सी योजना से पहले भी कुछ राज्यों ने सरकारी टैक्सी सेवाएं शुरू की थीं। पश्चिम बंगाल में यात्री साथी नाम की टैक्सी सेवा चल रही है जो पहले केवल कोलकाता तक सीमित थी लेकिन अब सिलीगुड़ी, आसनसोल और दुर्गापुर तक फैल गई है। केरल ने 2022 में केरल सवारी ऐप शुरू की था लेकिन सीमित उपयोग के कारण बाद में इसे बंद कर दिया गया। अब दिल्ली में शुरू होने जा रही भारत टैक्सी से उम्मीद की जा रही है कि यह मॉडल सफल होकर देश के अन्य शहरों के लिए मिसाल बनेगा।

पुलिस ने भगोड़े बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की वेस्टर्न रेंज-द्वद्व की टीम ने एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो थाना के.एन. काटजू मार्ग के आर्म्स एक्ट के मामले में भगोड़ा था। आरोपित की पहचान जहांगीरपुरी निवासी बंटी (28) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि बंटी वर्ष 2021 में आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहा था। 25 अक्टूबर को रोहिणी कोर्ट ने उसे भगोड़ा किया था। पुलिस उपायुक्त के मुताबिक, वह बेल पर बाहर आने के बाद लगातार ठिकाने बदलता रहा ताकि गिरफ्तारी से बच सके। वह ट्रक ड्राइवर के रूप में काम करता था और अक्सर दिल्ली से बाहर चला जाता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि वांछित अपराधी बंटी मकसूदाबाद स्थित रणाजी एन्क्लेव में आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने रणाजी एन्क्लेव में जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया। जांच में पता चला है कि आरोपित के ऊपर पहले से पांच मामले दर्ज है।

फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर अश्लील फोटो पोस्ट करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर युवती का अश्लील फोटो पोस्ट करने वाले साइबर स्टॉकर मोहम्मद साहिद को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से अपराध में इस्तेमाल किया गया एक स्मार्टफोन बरामद किया है। आरोपी साइबर स्टॉकर ने अपनी पूर्व महिला कर्मचारी की तस्वीर को प्रोफाइल फोटो के रूप में इस्तेमाल करके फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया था। इसके बाद वह इस आईडी से युवती की अश्लील फोटो पोस्ट करने लगा ताकि वह उससे मोटी रकम ऐंठ सके। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया, जिले की साइबर थाना पुलिस को 23 सितंबर, 2025 को पीड़ित युवती ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामला दर्जकर साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक और एसआई प्रियंका की टीम ने फर्जी अकाउंट के डिजिटल फुटप्रिंट का विश्लेषण किया और डिजिटल प्लेटफॉर्म से महत्वपूर्ण विवरण प्राप्त किए। तकनीकी निगरानी से पता चला कि फर्जी अकाउंट आईएमटी मानेसर, हरियाणा क्षेत्र से संचालित किया जा रहा था। टीम ने मानेसर, हरियाणा में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर आरोपी को 27 अक्तूबर को गिरफ्तार कर लिया। इसके स्मार्टफोन में फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट सक्रिय पाया गया है। मूलरूप से मधुबनी बिहार का रहने वाला आरोपी साहिद हरियाणा के मानेसर में एक छोटी फैक्ट्री में काम करता है। जहां पीड़िता कुछ समय के लिए कार्यरत थी।

दो महीने के लॉकडाउन के बाद खुला चिड़ियाघर, सैलानियों में उत्साह; नई इंस्टा टिकट बुकिंग सेवा भी शुरू

दिल्ली, एजेंसी। बर्ड फ्लू के डर से दो महीने से बंद पड़े राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) ने शनिवार को फिर से अपने दरवाजे आगंतुकों के लिए खोल दिए। सुबह से ही हजारों उत्साही परिवार, बच्चे और पर्यटक उमड़ पड़े। लंबे इंतजार के बाद लोगों की खुशी का ठिकाना न रहा तो जानवरों ने भी जैसे मौके का फायदा उठाया। बाघों ने गुर्राहट भरी, बंदरों ने उछल-कूद मचाई और पक्षियों ने चहचहाहट से स्वागत किया। चिड़ियाघर के अंदर का नजारा देखने लायक था। इसके अलावा, जानवर अठखेलियां करते नजर आए।

रॉयल बंगाल टाइगर ने अपनी सफेद धारियों के साथ घूम-फिरकर पोज दिए, जबकि एशियाई शेरों ने गुर्राहट से पर्यटकों को रोमांचित किया। बंदरों का झुंड तो जैसे पार्टी कर रहा था। उछल-कूद, शरारतें और एक-दूसरे से खेलना। पक्षियों के एनक्लोजर में तो रंग-बिरंगे परिंदे चहचहा रहे थे, मानो बंदी से आजादी मिल गई हो। हाथी और गैंडे भी शांत, लेकिन एक्टिव नजर आए। गर्मियों में जब दो पेंटेड स्टॉर्क पक्षियों में एच5एन1 बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई तो चिड़ियाघर को 30 अगस्त से बंद कर दिया गया था। इसके बाद वेटरिनरी डॉक्टरों ने जानवरों की पूरी जांच की, दवाइयां दीं और जगह को साफ-सुथरा बनाया। पशुपालन मंत्रालय की मंजूरी मिलते ही शनिवार सुबह चिड़ियाघर खुल गया। शनिवार को पूरे चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू के प्रकोप के बाद पक्षियों और बाड़ों में एंटी-वायरस का छिड़काव किया गया है। दूसरी ओर, एंट्री गेट पर लंबी कतारें लगी हुई थी। केवल दो घंटे में ही 5,000 से ज्यादा विजिटर्स अंदर घुस चुके थे। लाजपत नगर से अपने परिवार के साथ आई रीना शर्मा ने बताया कि बच्चों को इतने दिनों से चिड़ियाघर ले जाना बाकी था। शनिवार तो जैसे हम लोगों के लिए जश्न मनाया। उन्होंने बताया कि बच्चों ने शेरों को दौड़ते देखा तो डर भी लगा, लेकिन मजा भी आया।

सांपों का बाड़ा अभी भी रहा बंद: चिड़ियाघर में शनिवार को बर्ड फ्लू के बाद पूरा दिल्ली चिड़ियाघर खुल गया, लेकिन रिप्टाइल हाउस (सांपों का बाड़ा) अभी बंद रहा। इससे पर्यटक मायूस दिखाई दिए। बाकी जानवरों ने खूब मनोरंजन किया। अधिकारी के अनुसार, मेंटेनेंस और वेंटिलेशन चेक के लिए जुलाई से बाड़ा बंद है। सेफ्टी अपग्रेड चल रहा है।

हिदायतों की अनदेखी भी हुई: शनिवार को चिड़ियाघर खुलने पर बड़ी संख्या में लोग परिवारों के साथ घूमने पहुंचे। हालांकि, ज्यादातर पर्यटकों ने एहतियाती हिदायतों की अनदेखी की। चिड़ियाघर के अंदर कई जगहों पर लोग बिना मास्क के घूमते और भीड़ लगाते दिखाई दिए। प्रशासन की ओर से बार-बार मास्क पहनने और दूरी बनाए रखने की अपील की गई, लेकिन ज्यादातर आगंतुकों ने नियमों का पालन नहीं किया। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की जा रही है।

प्रबंधन ने सभी प्रोटोकॉल फॉलो किए: चिड़ियाघर निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि प्रबंधन ने सभी प्रोटोकॉल फॉलो किए हैं। जानवर पूरी तरह स्वस्थ हैं और शनिवार को उनका मूड भी खासा अच्छा था। बाघों ने तो जैसे शो किया है।

दुर्ग, हरिद्वार के लिए चलेगी विशेष ट्रेन, छपरा से आनंद विहार के बीच रेलगाड़ी चलाने की घोषणा

दिल्ली, एजेंसी। उत्तर रेलवे के द्वारा दुर्ग-हरिद्वार-दुर्ग (08743/08744) एक्सप्रेस विशेष ट्रेन का संचालन शुरू किया जाएगा। यह ट्रेन कुल दो फेरों में चलेगी। एक दिशा में दुर्ग से हरिद्वार और वापसी में हरिद्वार से दुर्ग तक चलेगी। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 08743 दुर्ग से 9 नवंबर और 16 नवंबर को चलेगी। जबकि 08744 हरिद्वार से 10 नवंबर और 17 नवंबर को चलेगी। दुर्ग-हरिद्वार स्पेशल सुबह 11 बजे दुर्ग से रवाना होगी और रायपुर, बिलासपुर, उसलापुर, प्रयागराज, कानपुर, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा, दिल्ली (नई दिल्ली), मुरादनगर, रुड़की होते हुए अगले दिन शाम 3¬40 बजे

हरिद्वार पहुंचेगी।

वहीं, हरिद्वार-दुर्ग स्पेशल रात 9 बजे हरिद्वार से चलेगी और रुड़की, दिल्ली, आगरा कैंट, ग्वालियर, प्रयागराज, बिलासपुर होते हुए तीसरे दिन सुबह लगभग 11 बजे दुर्ग पहुंचेगी। ट्रेन में स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे ताकि आम यात्रियों को भी सुविधा मिल सके। इन विशेष रेल सेवा से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के यात्रियों को राहत मिलेगी।

छपरा से आनंद विहार के बीच ट्रेन चलाने की घोषणा: उत्तर रेलवे ने छपरा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 05081 छपरा-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल 10 नवंबर को चलेगी जबकि ट्रेन संख्या 05082 आनंद विहार टर्मिनल-छपरा स्पेशल 11 नवंबर को संचालित होगी। छपरा से चलने वाली ट्रेन दोपहर 3 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10:45 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

घरेलू नौकरानी ने उड़ाए लाखों के सोने के गहने, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पश्चिम जिले के अशोक विहार थाना पुलिस ने एक घर में हुई बड़ी चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक महिला चोर और एक ज्वेलर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के सोने के गहनों में से एक सोने का लॉकेट और एक जोड़ी सोने की बालियां बरामद की हैं। गिरफ्तार महिला आरोपित घर में नौकरानी का काम करती थी और ज्वेलर के साथ मिलकर चोरी के गहनों को बेचकर आसान पैसे कमाने की उत्तरपश्चिमजिलेकेपुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने रविवार को बताया कि अशोक विहार फेज-1 के रहने वाले शिकायतकर्ता निपुन नरूला ने बताया कि 10 अक्तूबर को उनकी मां ने देखा कि उनके दो सोने के कंगन गायब हैं। पहले उन्हें लगा कि शायद कहीं रखकर भूल गई हों, लेकिन जब 25 अक्तूबर की रात दिवाली के मौके पर घर की पूरी जांच की गई तो पता चला कि 10 सोने के सिक्के, एक मंगलसूत्र, एक सोने की चेन के साथ लॉकेट और एक नेकलेस भी गायब है। निपुन ने बताया कि उनके घर में चार घरेलू सहायिकाएं काम करती हैं। इनमें से एक नौकरानी रानी नूर बानो है, जो जहांगीरपुरी इलाके की रहने वाली है। उसने 31 अक्टूबर से अचानक काम पर आना बंद कर दिया और फोन भी बंद कर लिया। शक होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि शिकायत के आधार पर थाना अशोक विहार में मामला दर्ज किया गया और इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार की अगुवाई में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और मुखबिरों को सक्रिय किया गया। इस बीच पुलिस को सुराग मिला कि आरोपित महिला नूर बानो गाजियाबाद के फरुखनगर स्थित असलतपुर में छिपी हुई है। छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने चोरी की वारदात कबूल की और बताया कि उसने चोरी किए गए गहनों को जहांगीरपुरी निवासी ज्वेलर हसन अली को बेच दिया था। पुलिस ने महिला की निशानदेही पर छापेमारी कर ज्वेलर हसन अली को भी गिरफ्तार कर लिया और उसकी निशानदेही पर चोरी लीं।

निजी क्षेत्र के सहयोग से बनेगा समृद्ध और शांतिपूर्ण देश, आम चुनाव से पहले पीएम सुशीला कार्की का संदेश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अगले साल आम चुनाव होने है। इसके लिए देशभर में तैयारियां तेज है। राजनीतिक पार्टियों के बीच भी हलचल तेज है। खासकर अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और उनकी पार्टी में। इसी बीच नेपाली पीएम सुशीला कार्की ने एक संबोधन के दौरान नेपाल की शांती और समृद्ध के लिए निजी क्षेत्र में सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक समृद्ध, शांतिपूर्ण और सभ्य देश का निर्माण केवल निजी क्षेत्र के सहयोग और साझेदारी से ही संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि सुशासन (गुड गवर्नेंस) किसी भी देश की आर्थिक वृद्धि और सामाजिक न्याय की मूल शर्त है।

प्रधानमंत्री कार्की फेडरेशन ऑफ नेपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफएनसीसीआई) द्वारा आयोजित 'नेशनल इकोनॉमिक डायलॉग-2' को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने बताया कि पूरा देश 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनावों की तैयारी में जुटा है, और इस चुनाव के जरिए नेपाल टिकाऊ लोकतांत्रिक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ेगा।

निजी क्षेत्र को सहारा देने के लिए नेपाल सरकार की तैयारी: इस दौरान नेपाल के वित्त मंत्री रमेश्वर खनाल ने भी निजी क्षेत्र में सहयोग की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र को सहारा देने के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज लाएगी। उन्होंने बताया कि युवाओं के आंदोलन के कारण निजी क्षेत्र की कंपनियों को करीब 88 अरब नेपाली रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं गृह मंत्री ओम प्रकाश अर्याल ने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर रही है। उन्होंने बताया कि हिंसक घटनाओं में शामिल 380 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 150 के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

कुछ कानूनों में संशोधन की तैयारी में सरकार: इसके साथ ही नेपाल के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि सरकार उन कानूनों में संशोधन करने जा रही है जो उद्योगों के विकास में बाधा बन रहे हैं। साथ ही उद्योगों के सुव्यवस्थित संचालन और अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। बता दें कि कार्यक्रम में एफएनसीसीआई के अध्यक्ष चंद्र ढकाल ने सरकार से आग्रह किया कि वह ऐसा माहौल बनाए जिससे व्यवसाय और उद्योग बिना रुकावट चल सकें।

नेपाल : 25 दिन में ही गिरी मधेस की सोनल सरकार

विश्वास मत से पहले विपक्षी खेमे में चले गए समर्थक

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रांत की सरकार गठन के मात्र 25 दिन बाद ही गिर गई। मुख्यमंत्री जितेन्द्र सोनल ने विश्वास मत ना मिलने की स्थिति स्पष्ट होने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया और प्रदेश सभा की बैठक में त्यागपत्र की घोषणा की। नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को दरकिनार कर गठित सोनल के नेतृत्व वाली सरकार को शनिवार को विश्वास मत हासिल करना था। सरकार बनाने के लिए सोनल को जिन सदस्यों का समर्थन मिला था वे बाद में विपक्षी खेमे में चले गए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वह विश्वास मत हासिल नहीं कर पाएंगे। बहुमत न होने के कारण सोनल ने मतदान प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही पद छोड़ने का निर्णय लिया।

जितेन्द्र सोनल का त्यागपत्र स्वीकार: नेपाल के मधेश प्रदेश की प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भण्डारी ने प्रदेश सरकार के मुख्यमन्त्री जितेन्द्र प्रसाद सोनार सोनल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। प्रदेश प्रमुख कार्यालय से शनिवार शाम जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमन्त्री सोनल ने नेपाल को संविधान को धारा 169 उपधारा (1) के खण्ड (क) अनुसार अपना इस्तीफा प्रदेश प्रमुख को सौंपा था।

शटडाउन हुए छह हफ्ते का समय बीता; कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिली रही, लेकिन ट्रंप टस से मस नहीं हो रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शटडाउन हुए छह हफ्ते का समय बीत गया है, लेकिन अभी तक रिपब्लिकन और डेमोक्रेट पार्टी के बीच सहमति नहीं बन पाई है। शटडाउन के चलते लाखों कर्मचारी बिना वेतन के काम करने को मजबूर हैं। वहीं लाखों लोगों के खाने पर संकट आ गया है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप टस से मस होने को तैयार नहीं हैं।

ओबामाकेयर योजना की सब्सिडी बढ़ाने पर विवाद जारी: शटडाउन खत्म करने के लिए अमेरिकी सीनेटर्स ने इस बार छुट्टियों में भी काम किया ताकि राजनीतिक डेडलॉक की स्थिति को खत्म किया जा सके। दोनों पार्टियों के बीच बातचीत बहुत धीमी गति से चल रही है। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप भी झुकने को तैयार नहीं दिख रहे। राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को साफ कर दिया कि वे डेमोक्रेट्स के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। दरअसल डेमोक्रेट सांसद अफोर्डेबल केयर एक्ट (किफायती देखभाल कानून) के तहत ओबामाकेयर सब्सिडी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप और रिपब्लिकन सीनेटर इसके लिए तैयार नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि यह दुनिया की सबसे खराब स्वास्थ्य देखभाल सेवा है। उन्होंने सुझाव दिया कि कांग्रेस लोगों के बैंक खातों में सीधे पैसे भेजे ताकि वे खुद इंश्योरेंस खरीद सकें।

कई रिपब्लिकन सांसद भी डेडलॉक खत्म करने को तैयार, लेकिन ट्रंप झुकने को तैयार नहीं: हालांकि कई रिपब्लिकन सीनेटर्स का रुख थोड़ा नरम हैं और वे समझौते के पक्ष में हैं। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी एक पोस्ट साझा कर ओबामाकेयर योजना में सब्सिडी बढ़ाने का समर्थन कर रहे रिपब्लिकन सीनेटर्स की आलोचना की। डेमोक्रेट पार्टी ने सुझाव दिया है कि अगर सरकार एक साल के लिए ओबामाकेयर योजना की सब्सिडी बढ़ाती है तो शटडाउन खत्म किया जा सकता है। वहीं शटडाउन लंबा खिंचने के चलते अब लोगों की नाराजगी भी बढ़ रही है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर दिखना शुरू हो गया है। सरकारी कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिल रही है, एयरपोर्ट स्टाफ की कमी से जूझ रहे हैं, और सप्लीमेंटल न्यूट्रिशन असिस्टेंस प्रोग्राम (स्न्नक्क) के तहत लाखों लोगों को मिलने वाली मदद में देरी से लाखों लोगों के खाने पर भी संकट है।

आवामी लीग के ढाका लॉकडाउन कार्यक्रम से पहले सुरक्षा कड़ी

राजधानी में 7,000 जवानों की बड़ी ड्रिल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले साल 5 फरवरी को आम चुनाव होने है। राजनीतक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां तेज कर दी है। बांग्लादेश पुलिस ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग की जा चुकी पार्टी आवामी लीग द्वारा घोषित ढाका लॉकडाउन कार्यक्रम से पहले राजधानी में बड़े पैमाने पर सुरक्षा अभ्यास (ड्रिल) किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के करीब 7,000 जवानों ने 142 स्थानों पर यह ड्रिल की, जिनमें अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के निवास के आस-पास के इलाके भी शामिल थे। इसका उद्देश्य संभावित हिंसक विरोध प्रदर्शनों से निपटने की तैयारी करना था।

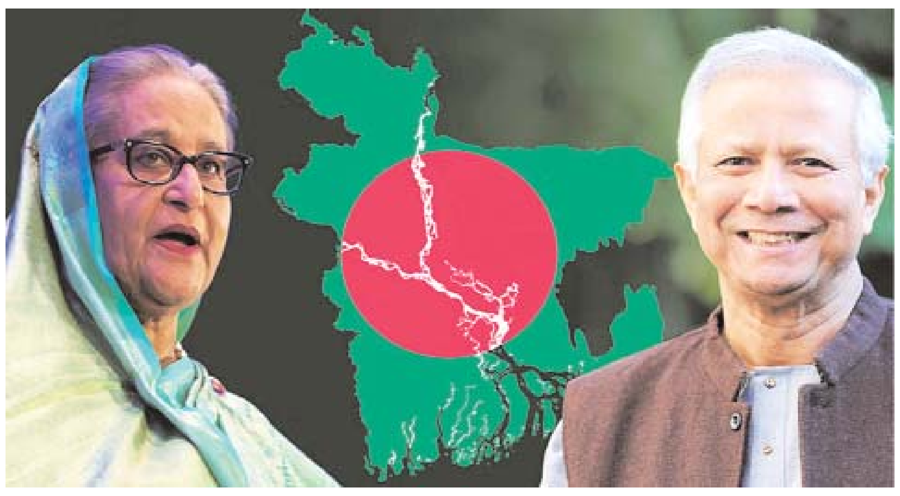

वहां मौजूद लोगों ने बताया कि पूरे ढाका में पुलिस की मौजूदगी बढ़ गई है, जिससे 13 नवंबर को कानून-व्यवस्था को लेकर आम लोगों में चिंता बढ़ गई है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह नियमित सुरक्षा अभ्यास है। शनिवार को दंगारोधी वर्दी, स्टील हेलमेट और बॉडी आर्मर पहने सैकड़ों पुलिसकर्मी मुख्य चौराहों पर तैनात थे। वे राहगीरों के बैग की जांच, पूछताछ, और संदिग्ध वाहनों की तलाशी लेते दिखे।

डीएमपी प्रवक्ता ने ड्रिल को बताया नियमित अभ्यास: वहीं डीएमपी प्रवक्ता मोहम्मद तालेबुर रहमान ने कहा कि हमारे नियमित ऑपरेशन में किसी भी आपात स्थिति के लिए त्वरित प्रतिक्रिया अभ्यास शामिल होता है। हालांकि, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह मेगा ड्रिल न केवल पुलिस की समन्वय और तत्परता की जांच के लिए थी, बल्कि संभावित हिंसा को रोकने के लिए एक चेतावनी संदेश भी थी। बता दें कि यह ड्रिल उस समय हुई जब सेना ने हाल ही में अपनी 60,000 में से आधी टुकड़ियां वापस बुला लीं, जो पिछले 15 महीनों से पुलिसिंग ड्यूटी पर थीं। सेना ने कहा कि सैनिकों को आराम और प्रशिक्षण की जरूरत है, लेकिन उन्होंने आगामी फरवरी चुनावों में पूरा सहयोग देने का वादा किया है।

बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और आवामी लीग की बगावत: देखा जाए तो फिलहाल बांग्लादेश की राजनीति अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टियों के बीच भी मतभेद बढ़ रहे हैं। इसके बावजूद, आवामी लीग के कार्यकर्ता गुप्त रूप से सड़क विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस ने अब तक 3,000 से ज्यादा नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जहांगीर कबीर नानक ने 13 नवंबर को ढाका लॉकडाउन आंदोलन की घोषणा की है। हालांकि, पुलिस ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि शनिवार की सुरक्षा तैनाती का इससे कोई संबंध है या नहीं। गौरतलब है कि बांग्लादेश की धरती पर ये पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बीते साल 5 अगस्त 2024 को छात्र आंदोलन ने हसीना सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था। इसके बाद हसीना भारत में शरण ले चुकी हैं, जबकि उनके कई नेता गिरफ्तार या फरार हैं।

विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत मैराथन दौड़ एवं भव्य विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

न्यायोत्सव - न्याय तक सबकी पहुँच सुनिश्चित करने का संकल्प

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत रविवार, 09 नवम्बर 2025 को भव्य मैराथन दौड़ एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री दिनकर की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, अधिवक्ता संघ के

अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, एसडीएम, विद्युत विभाग के वरिष्ठ अभियंता, जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण, अधिवक्तागण तथा विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मैराथन दौड़ में छात्रों का उत्साह: मैराथन दौड़ का शुभारंभ जिला न्यायालय परिसर से होकर गांधी चौक तक किया गया, जिसमें जिले के अनेक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी के लिए न्याय,विधिक अधिकारों की जानकारी सबको जैसे नारों से पूरा शहर विधिक चेतना और ऊर्जा से गूंज उठा। छात्र वर्ग में प्रथम स्थान पर लक्ष्मण सिंह, द्वितीय राजेश यादव तथा तृतीय प्रद्युम्न पांडे रहे। वहीं छात्रा वर्ग में प्रथम आराधना सिंह, द्वितीय दीपा सिंह तथा तृतीय सीमा सिंह रहीं। सभी विजेताओं को पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

विधिक जागरूकता शिविर में मिली उपयोगी जानकारी: मैराथन के उपरांत जिला न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें अधिवक्तागण, न्यायिक अधिकारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर में नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं, महिला एवं बाल अधिकारों, वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा तथा मध्यस्थता के माध्यम से विवाद निपटान जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि विधिक सेवा सप्ताह का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना है ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित न रहे। इस अवसर पर प्रतिभागियों को विधिक जागरूकता पुस्तिकाएँ वितरित की गईं तथा सभी ने यह संकल्प लिया कि वे समाज में विधिक साक्षरता के प्रसा र में सक्रिय भूमिका निभाएँगे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन मनीष कौशिक जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा किया गया। समापन अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने इस आयोजन को विधिक चेतना के प्रसार की दिशा में एक सराहनीय एवं प्रेरणादायक पहल बताया।

मैनेजर से मारपीट कर रंगदारी मांगी, एसपी के आदेश के बाद एक्शन, उत्तर प्रदेश से 4 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। एनसीएल अमलोरी परियोजना से जुड़ी कलिंग ओबी कंपनी के सहायक मैनेजर हेमंत और एक अन्य कर्मचारी के साथ मारपीट और रंगदारी वसूली का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पीड़ितों को बैढ़न स्थित जिला चिकित्सालय शाह ट्रामा सेंटर के पास एक बंद कमरे में बुलाया गया था, जहां उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। यह घटना शनिवार दोपहर हुई थी।

पुलिस ने की मामले को दबाने की कोशिश: शुरुआत में मामला कोतवाली पहुंचा, लेकिन देर शाम तक इसे दबाने के प्रयास किए गए। मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण जब पुलिस अधीक्षक (एसपी) को घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने कोतवाली टीआई अशोक सिंह परिहार को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। मुख्य आरोपी गुड्डू सिंह, अंकित सिंह, डब्बू सिंह (निवासी भरुआ, थाना नवानगर) सहित एक अन्य आरोपी को बनारस की ओर भागते समय सोनभद्र जिले की चोपन पुलिस की मदद से हिरासत में लिया गया। उन्हें बैढ़न कोतवाली लाया गया।

पकड़ने के बाद आरोपियों को छोड़ा: पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रंगदारी वसूलने, गुंडागर्दी, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं के तहत बीएनएस में अपराध दर्ज किया है। हालांकि, इस पूरे प्रकरण में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। घटना दोपहर में होने के बावजूद आरोपियों को शाम तक क्यों छोड़ा गया, और क्या पीड़ितों की चोटों को देखकर भी पुलिस ने गंभीरता नहीं समझी, ऐसे प्रश्न उठाए जा रहे हैं। कोतवाली पुलिस का कहना है कि फरियादियों ने शुरू में पूरी बात नहीं बताई थी, इसलिए आरोपियों को केवल पूछताछ के लिए बुलाया गया था। हालांकि इस दलील पर लोग सवाल उठा रहे हैं।

कलेक्टर ने किया देवरा छात्रावास का निरीक्षण, गंदगी और खराब भोजन पर सहायक आयुक्त-अधीक्षक को नोटिस; छात्रों ने मांगा खेल मैदान

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्टर गौरव बैनल ने शुक्रवार को देवरा स्थित अनुसूचित जनजाति सीनियर और जूनियर छात्रावास का निरीक्षण किया। उन्हें छात्रावास में साफ-सफाई और गुणवत्तापूर्ण भोजन न मिलने की शिकायतें मिली थीं।

निरीक्षण में मिली कमियां: इस दौरान कलेक्टर सीधे रसोई तक पहुंचे और चावल, दाल, सब्जी, तेल सहित सभी खाद्यान्न सामग्री की जांच की। सामग्री का रख-रखाव संतोषजनक नहीं पाया गया। छात्रों ने बताया कि उन्हें निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन नहीं मिल रहा है। कलेक्टर ने इस पर नाराजगी जताई और सहायक आयुक्त

जनजाति कार्य विभाग और छात्रावास अधीक्षक को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

सुधार करने के निर्देश दिए: कलेक्टर ने कहा कि छात्रावास में प्रतिदिन दिए जाने वाले भोजन का पूरा मीनू पोस्टर पर प्रदर्शित किया जाए। सप्ताह में एक दिन और विशेष अवसरों पर विशेष मीनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने परिसर और शौचालयों की सफाई व्यवस्था को भी असंतोषजनक बताया और तुरंत सुधार के निर्देश दिए। बेहतर प्रबंधन के लिए छात्रावास में समितियों का गठन करने और सभी छात्रावासों के नियमित निरीक्षण हेतु जिला अधिकारियों की टीम गठित करने का आदेश भी दिया। इसके साथ ही, पिछले छह माह के बजट का ऑडिट कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। छात्रों के लिए शुद्ध पेयजल हेतु आरओ और ठंड से बचाव के लिए गुणवत्तापूर्ण कंबल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

लंबित शिष्यवृत्ति और खेल मैदान की मांग: निरीक्षण के दौरान छात्रों ने लंबित शिष्यवृत्ति और खेल मैदान की मांग की। कलेक्टर ने अधीक्षक को शिष्यवृत्ति वितरण और खेल मैदान की साफ-सफाई कर तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय सहायक आयुक्त मिथिलेश इवने और जेतेन्द्र सिंह सोनकर भी मौजूद रहे।

संजय टाइगर रिजर्व में दो बाघ आमने-सामने, टी28 बाघिन और टी26 बाघ की झड़प; फिर साथ-साथ गए जंगल

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के संजय टाइगर रिजर्व में रविवार सुबह मॉर्निंग सफारी के दौरान पर्यटकों को एक दुर्लभ वन्यजीव नज़ारा देखने को मिला। दुबरी रेंज क्षेत्र में टी28 बाघिन और टी26 नर बाघ आमने-सामने आ गए, जिसके बाद उनके बीच कुछ देर के लिए झड़प हुई।

बताया गया कि जैसे ही नर बाघ टी26 की नज़र बाघिन टी28 पर पड़ी, वह उत्तेजित होकर दहाड़ने लगा। दोनों के बीच हल्की-फुल्की झड़प हुई, लेकिन कुछ ही क्षण बाद वे एक साथ जंगल की ओर निकल गए। पर्यटकों ने इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दुर्लभ दृश्य को कैमरे में कैद करने वाले पर्यटक आदित्य सिंह ने बताया कि यह क्षण बेहद अद्भुत और यादगार था।

उन्होंने कहा कि आमतौर पर पर्यटक बाघों की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतज़ार करते हैं, लेकिन रविवार सुबह उन्हें न सिर्फ दो बाघ दिखाई दिए, बल्कि उनके प्राकृतिक व्यवहार को लाइव देखने का अवसर भी मिला। संजय टाइगर रिजर्व के डीएफओ राजेश कन्ना टी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि नर और मादा बाघ के मिलने पर इस प्रकार का व्यवहार सामान्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की झड़प में डरने जैसी कोई बात नहीं होती, यह बाघों के स्वभाव का हिस्सा है।

सियार के हमले से भैंस की मौत,ग्रामीण बोला- बच्चों की पढ़ाई और आजीविका पर संकट; डीएफओ ने कहा- आर्थिक सहायता देंग

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के सिहावल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मुर्दाढीह तरिहा में एक सियार ने घर के बाहर बंधी भैंस पर हमला कर दिया। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह करीब 11 बजे हुई। आदिवासी परिवार ने वन विभाग से मुआवजे की मांग की है।

ग्रामीण बोला- आजीविका पर संकट खड़ा हो गया: पीड़ित लल्लू कोल ने बताया कि भैंस की कीमत लगभग 70 हजार रुपए थी। वह भैंस रोजाना करीब 9 लीटर दूध देती थी, जिससे परिवार का खर्च चलता था। इसी दूध की बिक्री से बच्चों की स्कूल फीस, घर का राशन और अन्य जरूरतें पूरी होती थीं। भैंस की मौत से लल्लू कोल के परिवार की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। परिवार ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है ताकि बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च दोबारा चल सके।

डीएफओ बोले- नियमानुसार आर्थिक सहायता देंगे: लल्लू कोल ने बताया कि सुबह भैंस घर के पास बंधी हुई थी, तभी अचानक एक सियार ने उस पर हमला कर दिया। कुछ ही देर में भैंस की मौके पर मौत हो गई। इस घटना की सूचना लल्लू कोल ने कमर्जी थाना और वन विभाग को दी है। डीएफओ प्रीति अहिरवार ने बताया कि क्षेत्रीय वन कर्मियों को तुरंत मौके पर भेजा गया था। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आर्थिक सहायता और अन्य कार्रवाई की जाएगी।

कक्षा 9वीं-10वीं के विद्यार्थियों के लिए गणित एवं विज्ञान ओलम्पियाड का ऐलान

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। विद्यार्थियों में तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता एवं नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने के साथ ही विश्लेषणात्मक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से गणित एवं विज्ञान विषय में ओलम्पियाड का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थी चिकित्सा, तकनीकी एवं नवाचार के क्षेत्र में अग्रसर हो सकेंगे तथा उनमें प्रयोगात्मक सोच का विकास होगा। इस आयोजन में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। विद्यार्थी गणित या विज्ञान में से किसी एक विषय अथवा दोनों विषयों में भाग ले सकते हैं।

परीक्षा एवं चयन प्रक्रिया: प्रथम चरण की परीक्षा विकासखण्ड मुख्यालय स्तर पर तथा द्वितीय चरण की परीक्षा संभाग स्तर पर आयोजित की जाएगी।

पुरस्कार: प्रथम पुरस्कार रूपये 51000, द्वितीय रूपये 31000, तृतीय रूपये 21000 तथा दो सांत्वना पुरस्कार रूपये 11000 प्रत्येक निर्धारित किए गए हैं। डॉ. सुजीत कुमार मिश्र, एपीसी (रमसा) ने बताया कि ओलम्पियाड में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के नाम की प्रविष्टि विद्यालय प्राचार्य द्वारा 10 नवम्बर 2025 तक विमर्श पोर्टल के प्राचार्य लॉगिन पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से की जानी है। प्रश्नपत्र में तार्किक क्षमता एवं अधिगम स्तर के अनुरूप प्रश्न शामिल होंगे। इसमें कक्षा 8वीं के आधार पर तार्किक दक्षता, कक्षा 9वीं के पाठ्यक्रम से 60 प्रतिशत तथा कक्षा 10वीं के पाठ्यक्रम से 40 प्रतिशत प्रश्न रहेंगे। पाठ्यक्रम केवल संदर्भ सामग्री के रूप में उपयोग होगा। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने समस्त प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि वे कक्षा 9वीं एवं 10वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें भाग लेने के लिए प्रेरित करें। सहभागिता स्वैच्छिक है, परंतु इच्छुक विद्यार्थियों के नामों की प्रविष्टि 10 नवम्बर 2025 तक विमर्श पोर्टल में अनिवार्य रूप से करना सुनिश्चित करें।

लंपी स्किन डिजीज से बचाव के लिए पशुपालक रहें सतर्क

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। उपसंचालक, पशुपालन एवं डेयरी विभाग सीधी ने जानकारी देकर बताया कि लंपी स्किन डिजीज एक वायरस जनित रोग है, जो मुख्यत: सर्दियों के मौसम (अक्टूबर से फ़रवरी) के बीच गौवंश एवं भैंसवंशीय पशुओं को प्रभावित करता है। उन्होंने बताया कि इस रोग से पीड़ित पशुओं को तेज बुखार आता है, वे भोजन करना बंद कर देते हैं, तथा कुछ समय बाद उनके शरीर पर गांठ जैसी सूजन या उभार दिखाई देने लगते हैं। सामान्य परिस्थितियों में यदि पशु का नियमित उपचार कराया जाए तो यह बीमारी प्राणघातक नहीं होती, और पशु 3 से 5 दिनों में स्वस्थ हो जाता है। नवजात पशुओं जैसे बछड़ा, बछिया, पड़वा एवं पड़िया में इस बीमारी की तीव्रता अधिक होती है तथा मृत्युदर भी अपेक्षाकृत ज्यादा पाई गई है।

निकली विधिक जागरूकता रैली; नारे लगाते हुए चले वकील और पुलिसवाले, न्यायिक अधिकारियों ने दी अधिकारों की जानकारी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। न्यायिक विधिक सेवा सप्ताह के तहत रविवार को मझौली में विधिक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन को विधिक सेवाओं, न्यायिक अधिकारों और कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करना था। इसमें न्यायालय, पुलिस प्रशासन और समाज के विभिन्न वर्गों ने सक्रिय भागीदारी की। रेली में वकील और पुलिसवाले जागरुकता के नारे लगाते चले। यह रैली सुबह 10 बजे मझौली तिराहे से शुरू हुई और मुख्य बाजार, प्रमुख मार्गों तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों से गुज़री। लगभग दो घंटे तक चले इस अभियान में लोगों को मुफ्त विधिक सहायता, न्यायालय द्वारा संचालित योजनाओं, पीड़ितों को मिलने वाली कानूनी मदद और उनके संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी गई। इस दौरान अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों ने लोगों से सीधा

संवाद स्थापित कर उन्हें विधिक सेवा प्राधिकरण की सुविधाओं से अवगत कराया। रैली में न्यायिक मजिस्ट्रेट मझौली, न्यायालय का स्टाफ, अधिवक्ता, थाना प्रभारी, पुलिस जवान और क्षेत्र के सम्मानित नागरिक शामिल रहे। पुलिस बल ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था संभाली, जिससे रैली बिना किसी बाधा के आगे बढ़ सकी। संकरी गलियों में भी पुलिस टीम ने ट्रैफिक नियंत्रित कर मार्ग को सुचारु बनाए रखा। तहसीलदार मझौली वेदवती सिंह ने बताया कि विधिक सेवा सप्ताह के दौरान 9 से 14 नवंबर तक क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य जनता को कानून के प्रति जागरूक करना और उन्हें न्याय प्राप्ति के तरीकों की जानकारी देना है। इस अभियान से न्यायपालिका और आम जनता के बीच बेहतर सहयोग स्थापित होगा। थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने कहा कि पुलिस प्रशासन नागरिकों को सुरक्षा और सहयोग का भरोसा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि रैली के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि कानून आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए है और पुलिस सदैव उनकी सहायता के लिए तत्पर है।

बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर रेत सहित जब्त, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई; 6 लाख का सामान बरामद

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सरई थाना पुलिस ने शनिवार देर रात पुलिस ने अवैध रेत परिवहन कर रहे एक बिना नंबर के पावरट्रैक ट्रैक्टर को रेत से भरी ट्रॉली सहित जब्त किया है। पुलिस ने इस मामले में अपराध क्रमांक 737/2025 दर्ज किया है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) और 317 (5) के तहत कार्रवाई की गई है।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई: पुलिस को थाना क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस टीम ने देर रात संयुक्त कार्रवाई की। ग्राम जट्टा टोला पुलिया के पास निगरानी के दौरान एक ट्रैक्टर आता हुआ दिखाई दिया। जब पुलिस ने ट्रैक्टर चालक से रेत परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे, तो वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका।

म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की पहल - किया जा रहा है किसानों को जागरूक

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह सोलंकी के सफल निर्देशन एवं जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह के कुशल मार्गदर्शन में म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आत्मनिर्भर किसान, समृद्ध किसान के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले के तीन से चार ग्रामों के किसानों को मिलाकर एकीकृत कृषि क्लस्टर का गठन किया जा रहा है इन क्लस्टरों के माध्यम से कृषि कार्य में संलग्न किसानों को अभिसरण के द्वारा कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विशेषज्ञों एवं कृषि विभाग के सहयोग से खेती के नए-नए गुर सिखाए जा रहे

हैं। किसानों को एकत्र कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है और खेती में लगने वाले विभिन्न आयामों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। किसानों को एकीकृत क्लस्टर से जोड़कर प्राकृतिक खेती, पशुपालन और उद्यानिकी को एक साथ समाहित करते हुए घर में उपलब्ध संसाधनों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे खेती की लागत कम हो और आय में निरंतर वृद्धि हो सके। कृषि विज्ञान केंद्र के सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. महेंद्र सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक किसान को अपने खेत की मिट्टी की जाँच अवश्य करानी चाहिए और उसी के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने अधिक से अधिक जैविक खाद एवं कीटनाशक के उपयोग और अंतर फ़सलों को बढ़ावा देने की सलाह दी। आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक अजय सिंह, विकासखण्ड प्रबंधक अशोक पांडेय एवं सहायक प्रबंधक मनोज मिश्रा ने किसानों को पशुपालन के विस्तार, डेयरी व्यवसाय में वृद्धि, फ़सल बीमा योजनाओं तथा दलहनी फ़सलों के उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि सखी आरती सिंह ने एकीकृत कृषि क्लस्टर के अंतर्गत संचालित जैविक संसाधन केंद्र में महिलाओं द्वारा तैयार की गई जैविक सामग्रियों की प्रदर्शनी लगाई। उन्होंने किसानों को इन उत्पादों के उपयोग के लिए प्रेरित किया तथा वहीं पर विक्रय भी किया गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण - नाम जोड़ने की ऑनलाइन प्रक्रिया अब और सुगम

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। आगामी चुनावों की तैयारी के तहत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में अब नागरिकों की सुविधा के लिए डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार अब पात्र नागरिक घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम सम्मिलित करवा सकते हैं। इस प्रक्रिया के अंतर्गत एक जनवरी 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले अर्हता प्राप्त नागरिक सीधे वोटर्स सर्विस पोर्टल पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन पंजीयन के लिए सर्वप्रथम साइन-अप करना अनिवार्य है, जिसके बाद नए मतदाता के पंजीकरण हेतु प्रारूप-6 उपलब्ध कराया गया है। आवेदक को इस फॉर्म में नाम, पता और जन्मतिथि सहित सभी व्यक्तिगत विवरण सटीक रूप से भरने होंगे। साथ ही पासपोर्ट साइज फोटो, वैध आयु प्रमाणपत्र और निवास प्रमाण की स्कैन प्रतियाँ अपलोड करना आवश्यक है।

आधार कार्ड जैसे दस्तावेज पहचान और पते दोनों के प्रमाण के रूप में प्रयुक्त किए जा सकते हैं। सफल आवेदन जमा होने पर आवेदक को एक विशिष्ट संदर्भ संख्या प्राप्त होगी, जिसके माध्यम से आवेदन की स्थिति ऑनलाइन ट्रैक की जा सकती है। निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन आवेदन के पश्चात संबंधित क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारी द्वारा भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया भी की जाएगी, जिससे मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। यह डिजिटल पहल मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तीव्र और नागरिकों के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रही है।

नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकास संबंधी बैठक अब 10 को

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र सीधी ने जानकारी दी है कि ग्राम बाड़ीटोला (चौफाल कोठार), तहसील गोपदबनास में चयनित एवं हस्तांतरित भूमि पर नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाने के संबंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित की जाने वाली बैठक, जो 03 नवम्बर को प्रस्तावित थी, अपरिहार्य कारणों से निरस्त की गई थी।

सड़कें इंसानों के लिए हैं या आवारा कुत्तों के लिए? सुप्रीम कोर्ट ने साफ की सीमाएं

संपादकीय

सर्वोच्च न्यायालय ने राजमार्गों और संस्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का निर्देश दिया है, तथा मानवीय व्यवहार और पशु कल्याण के बीच संतुलन बनाते हुए सार्वजनिक सुरक्षा पर जोर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों को लेकर एक बार फिर जो कहा है, वह जन सुरक्षा के लिहाज से अहम है। दरअसल, संस्थागत क्षेत्रों और राजमार्गों से इन्हें हटाने के आदेश को व्यापक परिप्रेक्ष्य में लेने की जरूरत है। इसमें कोई दोराय नहीं कि न केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, बल्कि देशभर में आवारा कुत्तों की समस्या गंभीर है। इस संबंध में मीडिया रपटों को अदालत ने कुछ समय पहले संज्ञान में लिया था। तब अदालत ने स्पष्ट कर दिया था कि लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस बार भी अदालत ने अपने आदेश में जन सुरक्षा को केंद्र में रखा है।

गौरतलब है कि शीर्ष अदालत की विशेष पीठ ने शुक्रवार को आवारा कुत्तों के मामले में कई बातें कहीं। अदालत ने शैक्षणिक केंद्रों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों जैसे संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों के काटे जाने की बढ़ती घटनाओं को संज्ञान में लिया है। इस बार अधिकारियों को सचेत किया गया है। न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित सभी प्राधिकारियों को आदेश दिया है कि राजमार्गों से आवारा कुत्तों और अन्य मवेशियों को हटा कर निर्दिष्ट आश्रय स्थलों में ले जाया जाए। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को स्थानीय नगर निकायों के माध्यम से ऐसे संस्थागत क्षेत्रों की पहचान करनी होगी जहां आवारा कुत्ते पाए जाते हैं।

मनुष्य और पशु के बीच लगातार जटिल होते इस मसले पर अदालत ने सख्त रुख दिखाया है। आवारा कुत्तों का प्रबंधन, सुरक्षा और स्वास्थ्य उसकी प्राथमिकता में हैं। सवाल है कि गंभीर होती गई इस समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है? यह कहना गलत न होगा कि पशु जन्म नियंत्रण नियमों को गंभीरता से लिया गया होता, तो आवारा कुत्तों की संख्या बेतहाशा नहीं बढ़ती और न ही उन्हें सड़कों से उठाने की नौबत आती। हालांकि पिछली बार अदालत ने अपने संशोधित आदेश में कुत्तों के बंध्याकरण और टीकाकरण के बाद उन्हें उसी जगह छोड़ने का निर्देश दिया था। मगर इस बार का आदेश स्पष्ट है। अब अधिकारियों को राजमार्गों और संस्थागत क्षेत्रों से आवारा कुत्तों और अन्य जानवरों को हटाना होगा। उन्हें दोबारा उसी जगह नहीं छोड़ा जा सकेगा। अदालत ने दरअसल मानवीय संवेदना और जन सुरक्षा के सवालों के बीच एक संतुलन के तकाजे पर जोर दिया है।

फूलों की घाटी में महकेंगे कविताओं के फूल

डॉ श्रीगोपाल नारसन

देहरादून साहित्य महोत्सव लेखक गांव में हिंदी के मूर्धन्य विद्वान सुरेश नीरव ने हिंदी साहित्य को सात समंदर पार तक ले जाने के लिए अखिल भारतीय सर्वभाषा समन्वय समिति नाम से दिल्ली में एक संस्था गठित की हुई है।जिसके माध्यम से उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय अधिवेशन किये हैं जिनमें- दिल्ली, ग्वालियर, मुरैना, विशाखापत्तनम, खरगोन, गांधीनगर, बेंगलुरु, मैसूर, त्रिवेन्द्रम, शिरडी, गोवा, अंडमान निकोबार, गुवाहाटी, कश्मीर, नागालैंड, मसूरी, बद्रीनाथ, शिमला, काठमांडू, मुंबई, दमन आदि शामिल हैं,वही पटना,इंदौर, नागदा, रुड़की, सहारनपुर, गुरुग्राम, ग़ाज़ियाबाद, जावरा सहित अनेक शहरों में भी अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के तत्वावधान में कवि सम्मेलन और पुस्तक एवं विशेषांक लोकार्पण समारोह हो चुके हैं। वर्चुअल माध्यम से इस संस्था के कार्यक्रमो में विभिन्न देशों में रह रहे हिंदी प्रेमी रचनाधर्मी जुड़ते रहे है।

अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति आगामी 23 से 25 दिसम्बर तक अपना 23 वां राष्ट्रीय अधिवेशन उत्तराखण्ड के लेखक गाँव में आयोजित करने जा रही है। जिसमें देश भर के साहित्यकार इस देहरादून साहित्यकार महोत्सव में शामिल हो रहे हैं। महोत्सव के संयोजक सुभाषचंद्र सैनी के मुताबिक अभी तक जिन साहित्यकारों की स्वीकृतियां मिल चुकी हैं उन में मध्य प्रदेश के ग्वालियर से सोहनलाल खंडेलवाल, जावरा रतलाम से डॉ. प्रकाश उपाध्याय, नरसिंहपुर से डॉ. शंकर सहर्ष, जबलपुर से आचार्य विजय तिवारी किसलय, सुमन तिवारी, संतोष नेमा संतोष, सरिता संतोष, दिल्ली से डॉ. सविता चड्ढा, ब्रह्मदेव शर्मा, प्रभा सारस्वत, उमंग सरीन, रंजना मजूमदार, मोहिनी पांडेय, बिहार से श्रीमती अनीता प्रसाद, राश दा राश, ऋष्िसिन्हा, डॉ. अमरकांत कुमर, कर्नाटक से ज्ञान चंद मर्मज्ञ, साधना सिंह, डॉ. मंजु गुप्ता लता मुंबई से यशपाल सिंह यश, गुजरात से डॉ राखी सिंह कटियार, छत्तीसगढ़ से रमाकांत वडारया, रविन्द्र कुकरेजा, हरियाणा से मदन साहनी, विनय कुमार, सरोजिनी चौधरी, वीणा अग्रवाल, डॉ प्रवीण शर्मा, सुधीर शर्मा, रेणु रतन मिश्रा, उत्तर प्रदेश से विनोद भृंग, मधु मिश्रा, डॉ रश्मि कुलश्रेष्ठ, डॉ राधा बिष्ट, प्रकाश गुप्ता, इटावा टाइम्स के संपादक श्री अतुल वीएन चतुर्वेदी, विनीता चतुर्वेदी, डॉ.दयावती शर्मा, लक्ष्मी कांत शर्मा, स्मृति श्रीवास्तव, विष्णु श्रीवास्तव,, उत्तराखंड से सुरेन्द्र कुमार सैनी, विमल बहुगुणा,नवीन शरण, श्री श्रीगोपाल नारसन, राकेश जुगराण तथा सुमन सैनी के नाम उल्लेखनीय हैं। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक होंगे जबकि अध्यक्षता प्रज्ञान पुरुष पंडित सुरेश नीरव द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर उल्लेखनीय साहित्यिक सेवाओं के लिए साहित्यकारों को संस्था द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा।देवभूमि उत्तराखंड में इस साहित्यिक महोत्सव की आहट अभी से सुनाई देने लगी है।रुड़की के वरिष्ठ गीतकार सुरेंद्र कुमार सैनी की साहित्यिक यात्रा पर भी यह संस्था विशेषांक प्रकाशित कर चुकी है।सुरेंद्र कुमार सैनी का मानना है कि देवभूमि उत्तराखंड जिसे साहित्य सृजन की उर्वरा भूमि भी कहा जाता है, में कविताओं के फूल उत्तराखंड की फूलों की घाटी की तरह महकेंगे जिनकी खुशबू सुदूर देशों तक वर्चुअल माध्यम से जाएगी।

आत्मघाती होती शिक्षा प्रणाली मौतों का भयावह यथार्थ

ललित गर्ग

यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन मासूम सपनों की समाधियाँ हैं जिन्हें हमारी शिक्षा प्रणाली ने दम तोड़ने पर विवश कर दिया। यह स्थिति किसी एक स्कूल, राज्य या परिस्थिति की नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय शिक्षा तंत्र की विफलता का दर्पण है। पहली नजर में इतनी बड़ी संख्या में आत्मघात के मूल में पढ़ाई का दबाव, अभिभावकों की अतिश्योक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाएं, छात्रों की संवेदनशीलता और तंत्र की नाकामी बताई जा सकती है। लेकिन सवाल है कि हमारा तंत्र क्यों संवेदनहीन बना हुआ है यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को तलब करके इस बाबत विस्तृत विवरण मांगा है। साथ ही सवाल पूछा है कि क्या देश के सभी शिक्षण संस्थान छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभा रहे हैं शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का रणक्षेत्र कब तक बनने दिया जाता रहेगा। आज का विद्यार्थी बचपन से ही एक ऐसी अंधी एवं प्रतिस्पर्धी दौड़ में धकेल दिया जाता है, जिसमें लक्ष्य अंक, ग्रेड, और रैंक बन गए हैं-ज्ञान, संवेदना और चरित्र नहीं। स्कूल अब शिक्षालय नहीं, बल्कि परीक्षा-केंद्र यानी गलाकाट प्रतियोगिता के केन्द्र बन चुके हैं। माता-पिता, शिक्षक और समाज-सभी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया है, जहाँ ÷सफलता÷ का अर्थ केवल डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या उच्च वेतन वाली नौकरी तक सीमित हो गया है। शिक्षा अब व्यक्ति के भीतर के मनुष्यत्व, रचनात्मकता और संवेदना को विकसित करने का माध्यम नहीं रही, बल्कि उसने जीवन को ÷प्रदर्शन की प्रतियोगिता÷ बना दिया है। छोटे बच्चों पर कोचिंग का बोझ, अभिभावकों की अपेक्षाएँ, और असफलता का भय -ये तीन त्रिकोणीय दबाव उन्हें धीरे-धीरे मानसिक रूप से तोड़ देते हैं। शिक्षा अब एक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन गयी है।

एनसीआरबी के आँकड़े बताते हैं कि छात्रों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हैं-परीक्षा में असफलता, अभिभावकीय दबाव, भविष्य की चिंता और मानसिक अवसाद। भारत दुनिया के उन शीर्ष देशों में शामिल है जहाँ किशोरों में डिप्रेशन और आत्महत्या की प्रवृत्ति सबसे अधिक है। कबीर ने कहा था-÷पढ़ि-पढ़ि पंडित भया, पर भीतर का मन ना गया।÷ आज की शिक्षा बच्चों को केवल ÷जानकार÷ बना रही है, ÷ज्ञानी÷ नहीं। विद्यालयों में रट्टामार संस्कृति, अंक-केंद्रित मूल्यांकन और शिक्षकों की संवेदनहीनता बच्चों के भीतर आत्मविश्वास के बजाय भय भर रही है। कई प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटर्स में तो यह प्रवृत्ति और विकराल हो जाती है। कोटा, पटना, हैदराबाद, चेन्नई जैसे शहरों में हर वर्ष दर्जनों विद्यार्थी आत्महत्या करते हैं। विडंबना यह है कि वहाँ शिक्षा से ज्यादा ÷प्रतियोगिता का उद्योग÷ पनप गया है। बच्चे अपने परिवारों से दूर, दबाव और भय में जीते हैं, और अंततः जीवन से हार जाते हैं।

साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति (एनइपी) को लेकर बहुत उम्मीदें थीं कि शायद यह शिक्षा को बच्चों के बोझ से मुक्ति देगी, उसे रचनात्मकता और नैतिकता से जोड़ेगी। नीति में ÷होलिस्टिक लर्निंग÷, ÷जॉयफुल एजुकेशन÷, ÷रिड्यूस्ड बोर्ड प्रेशर÷ जैसे शब्द तो हैं, पर व्यवहारिक स्तर पर हालात में कोई ठोस परिवर्तन नहीं आया। स्कूलों में परीक्षा का दबाव जस का तस है, कॉलेजों में बेरोजगारी का डर और कोचिंग की होड़ बढ़ी है। शिक्षा नीति के भीतर आत्महत्या जैसे मानसिक स्वास्थ्य संकट पर कोई गंभीर विमर्श नहीं हुआ। जब तक शिक्षा नीति का केंद्र मानव-निर्माण नहीं होगा, तब तक यह प्रणाली केवल आंकड़े बढ़ाएगी-आत्महत्याओं के भी और बेरोजगारों के भी। सवाल यह भी है कि शैक्षणिक परिसरों में आत्महत्या रोकने के लिये जो कदम केंद्र व राज्य सरकारों को उठाने चाहिए थे, उसके बाबत देश की शीर्ष अदालत को क्यों पहल करनी चाहिए इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि केंद्र व राज्य सरकारें आठ सप्ताह के भीतर वह विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत करें, जो आत्महत्या रोकने के दिशा-निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है महात्मा गांधी ने कहा था-÷शिक्षा का अर्थ है शरीर, मन और आत्मा का सम्यक विकास।÷ स्वामी विवेकानंद ने भी कहा ÷शिक्षा वह है जो व्यक्ति में आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मबल भर दे।÷ परंतु आज की शिक्षा न शरीर को स्वस्थ रख पा रही है, न मन को शांत, न आत्मा को ऊँचा। बच्चों को किताबों के बोझ तले दबा दिया गया है, पर जीवन की समझ नहीं दी गई। उन्हें बताया गया कि असफलता अपराध है, जबकि जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक तो असफलता ही होती है। माता-पिता और शिक्षक दोनों को यह समझना होगा कि बच्चा कोई प्रोजेक्ट नहीं, एक जीवित आत्मा है। उसे सफलता के साँचे में ढालने से पहले उसे अपने ढंग से खिलने का अवसर देना जरूरी है। शिक्षक यदि केवल अंक देने वाले बन जाएँ और अभिभावक केवल रिपोर्ट कार्ड से बच्चे की योग्यता मापें, तो बच्चे का आत्मसम्मान कुचलना निश्चित है। जरूरी है कि घर और स्कूल दोनों जगह एक भावनात्मक संवाद स्थापित हो-जहाँ बच्चा अपनी असफलता, डर और उलझन को बिना भय के साझा कर सके। भारत में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। अधिकांश स्कूलों में काउंसलिंग सिस्टम या तो है ही नहीं या नाममात्र का है। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जाता कि ÷तनाव से कैसे निपटें÷, ÷असफलता को कैसे स्वीकारें÷ या ÷भावनाओं को कैसे व्यक्त करें।÷ जिन्हें हम ÷टॉपर÷ कहते हैं, वे अक्सर भीतर से टूटे हुए होते हैं। आत्महत्या करने वाले बच्चों के पीछे अक्सर यह मनोवैज्ञानिक सत्य होता है कि उन्होंने कभी किसी से अपनी व्यथा कही ही नहीं। शिक्षा को केवल सूचना-प्राप्ति का माध्यम नहीं, जीवन-समझ का साधन बनाना होगा। जब तक बच्चों को यह नहीं सिखाया जाएगा कि जीवन अंक-पत्र से बड़ा है, तब तक यह संकट बना रहेगा। विद्यालयों में ध्यान, योग, संवाद, कला, संगीत और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना चाहिए। सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, संवेदना-केंद्रित संस्कृति गढ़नी होगी।

देश में मोटी पगार वाली नौकरियों की गलाकाट स्पर्धा में शिक्षण संस्थाएं व शिक्षक उस दायित्व को भूल गए हैं, जो छात्रों को विषयगत शिक्षा के साथ विषम परिस्थितियों के बीच जीवन जीने की कला सिखा सके। उन्हें व्यावहारिक जीवन का कौशल सिखाने के साथ ही चुनौतियों से जूझने की मानसिक शक्ति विकसित करने के लिए तैयार कर सकें। आखिर किसी परिवार की उम्मीद को किस स्थिति में यह सोचना पड़ता है कि मौत को गले लगाना अंतिम विकल्प है शिक्षा परिसरों में ऐसी स्थितियां क्यों विकसित हो रही हैं कि विद्यार्थी जीवन से हार मानने लगे हैं निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों का एक मात्र लक्ष्य किताबी ज्ञान देकर डिग्री बांटने तक ही नहीं हो सकता।यह प्रश्न अब टालने योग्य नहीं रहा कि क्या हम बच्चों को पढ़ा रहे हैं या उन्हें धीरे-धीरे तोड़ रहे हैं शिक्षा यदि आत्महत्या का कारण बन जाए, तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण पराजय कोई नहीं। जरूरत है ऐसी शिक्षा की जो बच्चों को जीवन से प्रेम करना सिखाए, न कि जीवन से भागना। महर्षि अरविंद ने कहा था-÷सच्ची शिक्षा वह है जो भीतर की दिव्यता को प्रकट करे।÷ समय आ गया है कि हम शिक्षा की दिशा को पुनर्परिभाषित करें, जहाँ परीक्षा नहीं, व्यक्तित्व महत्वपूर्ण हो; रैंक नहीं, रचनात्मकता का मूल्य हो; और सफलता नहीं, संतुलन एवं सुख शिक्षा का लक्ष्य बने। यदि हम यह नहीं कर पाए, तो आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा-14,000 से बढ़कर, हमारी सामूहिक संवेदनहीनता की जीवित कब्र बन जाएगा। निस्संदेह, देश के स्कूली छात्रों में आत्मघात की प्रवृत्ति राष्ट्र की गंभीर क्षति है, जिसे संवेदनशील ढंग से दूर करने की तत्काल जरूरत है।

क्या बिहार चुनाव में आलाकमान की अपेक्षा पर खरे उतरेंगे मोहन यादव..?

आलोक एम इन्दौरिया

बिहार विधानसभा के बेहद प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में भाजपा आला कमान ने म प्र के मुख्यमंत्री और अब पिछडा वर्ग के साथ–साथ यादव समाज के एक काद्यावर नेता के रूप में स्थापित हो चुके मप्र के सीएम डा मोहन यादव को जिस तरह स्टार प्रचारक की भूमिका से नवाजा है अब इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या मप्र के मोहन बिहार में आला कमान की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे ? क्योंकि जिस तरह से डा मोहन यादव को नरेंद्र मोदी अमित शाह और योगी जी के बाद बिहार चुनाव में तबज्जो दी गई है उसके चलते राजनीतिक वीथिकाओं में इस सवाल का जवाब लाजमी है यह अलहदा बात है की चुनावी नतीजे ही इस सवाल का सही जवाब देंगे। मगर जिस तरह से दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव में उनका स्ट्राइक रेट रहा है उसके चलते आला कमान की उनसे अपेक्षाएं बढ़ गई है और यकीनन इस बात को खारिज करना नामुमकिन होगा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव को आला कमान ने बिहार चुनाव में स्टार प्रचारक की भूमिका से नवाजा है और वह जबरदस्त तरीके से मध्य प्रदेश की अपनी टीम के साथ बिहार में काम कर रहे हैं ।दरअसल बिहार के चुनाव में यादव समाज की अहम भूमिका रहती है और यादव समाज के वोटो को मुस्लिम तथा अनुसूचित जाति के वोटो के साथ ध्रुवीकरण करके लालू यादव ने जिस तरह से अपनी विसात बिछाई थी उसके चलते बड़े लंबे समय तक बिहार में लालू यादव की हुकूमत कायम रही । बाद में नीतीश कुमार ने इसमे सेंध लगाई मगर 2020 के आम चुनाव में भी आरजेडी ने 75 विधानसभा सीट जीतकर अपना पहला स्थान सुनिश्चित किया था ? निश्चित ही जिस राजनीतिक जमीन पर लालू की पार्टी काम कर रही थी वह सत्ता के नजदीक पहुंचने वाली पुख्ता जमीन थी। यानी यादव और मुस्लिम वोटो के समीकरण में अन्य को जोड़कर सरकार बनाने का फार्मूला उनका हिट फॉर्मूला रहा है ??।और इसी के कारण इस बार 243 सीटों में से राजद ने 143 उम्मीदवारों की सूची में 51 यादव और 19 मुस्लिम समुदाय से प्रत्याशी उतारे हैं ?।इसके अलावा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री बनाने की घोषणा करके लगभग 45% वोटों को साधने का काम इंडी गठबंधन ने किया है। बेशक यह गठबंधन तो है मगर तेजस्वी यादव के परिवार का इस पूरे गठबंधन पर दबदबा किसी से छिपा नहीं है। यानी इस गठबंधन की बागडोर एक तरह से तेजस्वी यादव के हाथों में ही है।

यदि बिहार के जातिगत आंकड़े देखें तो कल 243 सीटों में से 100 के लगभग सीटों पर यादव वोटर बेहद निर्णायक भूमिका में है वही मुस्लिम वोटर 90 सीटों पर असर रखता है। बिहार की आबादी का लगभग 14.26% यादव समुदाय का हिस्सा है जो लंबे समय से आरजेडी का हिस्सा थे और आज भी बने हुए हैं ।वहीं लगभग 18 प्रतिशत के आसपास मुस्लिम समुदाय का भी हिस्सा है। भाजपा के पास बिहार में लालू या तेजस्वी के कद का यादव समाज का एक भी ऐसा नेता नहीं है जो आरजेडी को न केवल टक्कर दे सके बल्कि भाजपा की एनडीए की झोली वोटो से भर सके।

भाजपा ने इस बार एक सोची समझी की रणनीति के तहत मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव को स्टार प्रचारक बनाकर बिहार के चुनावी अखाड़े में उतारा है। बिहार के विधानसभा चुनाव में डा मोहन यादव का देश के एकमात्र यादव मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुतीकरण का उद्देश्य यादव वोट बैंक में सेंध लगाकर इसे विभाजित करना और अपने पक्ष में लाना है?। इसके साथ ही यह भी संदेश देना है कि भाजपा सभी वर्गों को न केवल अवसर देती है बल्कि प्रतिनिधित्व भी देती है।डा मोहन यादव के साथ सबसे बड़ा प्लस पॉइंट यह है कि यादव समाज में तो उनकी स्वीकार्यता है ही मगर इसके साथ ही अन्य ओबीसी और एससी वर्ग में भी उन्हें स्वीकारा जाता है।

बिहार चुनाव सीटों पर एक नजर

बिहार चुनाव में बीजेपी और जेडीयू 243 विधान सभा में आपस में 101 सीट में लड़ना ही नीतीश कुमार के विजय का पथ बन चुका था 6 नवंबर के दिन हुए मतदान में जेडीयू को सबसे ज्यादा सीट मिलने की संभावना है तो एनडीए में 101 सीट पर लड़ रही बीजेपीं की सरकार कैसे बनेगी सीट तो सभी लेना चाह रहें हैं लेकिन जीत कितने पर होगी ऐ एक प्रश्न चिंह है एन डी ए को मिलकर नीतीश कुमार को खुशी मन से मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान करना चाहिए था यही गलती बीजे पीं से हुई जिसका फायदा जे डी यू व महागठबंधन को मिलता दिख रहा है

संजय गोस्वामी

जब भी यदि केंद्र में अपने दम पर बहुमत ना हो तो घटक दल को साथ लेकर चलना चाहिए यदि बीजेपीं को नीतीश कुमार को इस चुनाव में मुख्य मंत्री का उम्मीदवार नहीं ही घोषित करना था तो सभी सीट पर लड़ना चाहिए और अपने ही ओर से मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान करना चाहिए रिकॉर्ड मतदान ऐ दिखाता है कि सभी ने नीतीश कुमार के पक्ष में ज्यादा मतदान किए हैं नहीं भरोसा है तो 14 नवंबर के दिन मतगणना में देख लीजियेगा कि कौन सरकार बना सकती है जेडीयू सबसे बड़े दल के रूप में आएगी उधर महागठबंधन में भी आपस में सीटों में खींचातानी चल रही है जिससे आरजेडी भी आसंजस में है आरजेडी में चुनाव को तेजस्वी को लेकर परिवार के अंदर ही बगाबत हो गई और तेज प्रताप यादव जो उनके भाई हैं एक अलग ही पार्टी बना ली इन सब के बीच जनसुराज पार्टी चुनाव प्रचार में पार्टियों के मंत्री पर् आरोप लगा रहें हैं लेकिन जब मालूम था ऐ क्राइम किया है तो अभी चुनाव में क्यों बता रहें है पहले बताना चाहिए और खुद पहले अपने को भी देखना चाहिए एक कहावत है बुरा बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय॥ यह संत कबीर दास का एक प्रसिद्ध दोहा है जिसका अर्थ है कि जब मैं दुनिया में दूसरों की बुराई खोजने चला, तो कोई बुरा व्यक्ति नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने अंदर झाँका और अपने मन को टटोला, तो मुझे पता चला कि मुझसे बुरा कोई नहीं है अतः पहले खुद को भी देखना चाहिए बिहार में माफियाओ के बल पर आज भी सरकार बनती है ऐ किसी से छिपा नहीं है और बिहार में सत्ता में रहने के लाठी का दबदबा भी चाहिए नहीं तो क़ोई भी पार्टी को तोड़ कर इधर से उधर चला जायेगा प्रशांत किशोर जी को चाहिए आरोप या प्रत्यारोप से बच कर जनता के लिए कुछ करना चाहिए गलत गलत ही होता है जब यहाँ से सज़ा नहीं मिलता तो ऊपरवाला छोड़ नहीं देगा समय का इंतजार करिये अभी राज खोलने से जनता के बीच में ऐ संदेश जाता है कि पहले इतना दिन से कहाँ थे और अभी चुनाव के बीच करने का मतलब है सत्ता पाना जो कुछ ही सीट 3-4 से ज्यादा नहीं मिलने वाली है चुनाव जितने के लिए काम करना होता है और जब काम करेंगे और जनता जरूर जीता देगी और जब जीत कर सरकार बन जाएगी तो जाँच करा देना अतः इन सब के राज खोलने से जनता को मिलेगा क्या जनता की सेवा करो और किसी के व्यक्तिगत आरोप से बचना चाहिए जब हम दूसरों में दोष ढूंढने निकलते हैं, तो हमें बहुत सारे लोग बुरे लग सकते हैं, लेकिन यह एक ऊपरी और भ्रामक सोच है इससे जनता को क्या मिलेगा फैसला तो अदालत में होता है दूसरों की आलोचना करने या निंदा करने के बजाय, हमें अपनी बुराइयों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए और सेवा से ही जीत मिलेगी आरोप से नहीं क्योंकि जब बने थे तब कहाँ थे उस समय क्यों नहीं आबाज निकला इतने दिनों से आवाज़ बन्द क्यों थी ऐ चुनाव के समय ही क्यों याद आ रहा है मुख्यमंत्री किसे बनाना ऐ पहले ही बता देना जो गलती करता है या जो गलत काम करता है भी कहा जा सकता है, जहाँ गलत का मतलब गलत या अनुचित है, और करने वाला का मतलब वह व्यक्ति है जो ऐसा करता है या काम करता है।लेकिन उसके लिए न्यायलय है उसका फैसला तथ्यों के आधार पर होता है बिहार का चुनाव भाषण से ज्यादा काम के महत्व को देखता है और इधर जो 1साल में काम हुआ है उससे महिलाओ को बहुत भारी मात्रा में कहीं ना कहीं रोजगार के साधन उपलब्ध हुए हैं शहर ही नहीं गाँव में भी और रोड सड़क और बिजली पानी की समस्या हल हुई है जो अभी 10 हजार भी मिली है वो लोग नीतीश कुमार की ही निर्णय समझ रही है इसलिए नीतीश कुमार को हल्के में लेना ठीक नहीं है उनको बिहार का चप्पा चप्पा मालूम है जब तक हैं जेडीयू रहेगी उसके बाद क्या होगा मुझे भी मालूम नहीं और जेडीयू के विधायक को तोड़ना भी आसान नहीं है क्योंकि ऐ पहले भी आजमाया गया है नीतीश कुमार का वर्षो का मेहनत और ईमानदारी नारी जागरण के कारण उनकी पार्टी को अधिक वोट मिला है बीजेपीं ने कई वरिष्ठ नेता जो लागातार जीतते आ रहें थे उनके टिकट काटने से उनके समर्थक नाराज हो गए और अधिकतर ने नोटा डाला होगा ऐ मैं किसी के इलाके में पूछने से मिला है सच क्या है ऐ मैं भी नहीं बता सकता हूँ लेकिन मुझे नीतीश कुमार पुनः बिहार की सेवा में मुख्यमंत्री बनने की पुरी संभावना दिख रही है.बीजेपीं को शांति से काम लेना चाहिए था क्योंकि शायद ऐ नीतीश कुमार की अंतिम चुनाव होगा उसके बाद तो बीजेपीं के पास ही कमान आती और ऐ भी देखना चाहिए की केंद्र में 12 सांसद है जो सरकार बनाने में अहम्य भूमिका अदा कर रहें हैं बीजेपीं निश्चित रूप से अच्छा काम कर रही है जिसमें प्रधानमंत्री जी का अहम योगदान है लेकिन सत्ता में बने रहने के लिए नम्बर मायने रखते हैं । नको मुख्य मंत्री बनने का इरादा नहीं होता तो इतनी जनसभा नहीं करते और इतने सक्रिय भी नहीं होते उन्होंने कई मीटिंग, अपने खास केंद्रीय मंत्री, ललन सिंह व कार्यकारी अध्यक्ष झा जी को नहीं बुलाकर मीटिंग ली है बूथों का बहुत ही गंभीरता से हालत की जानकारी ली है और वहाँ अन्त अन्त तक वोटिंग हुई है इसलिए वोटिंग प्रतिशत काफी बढ़ी है ।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सुदूर वनांचल ग्राम में बनें पुनर्वास केंद्र में किया आकस्मिक निरीक्षण

बहुआयामी कौशल प्रशिक्षण देकर आजीविकामूलक कार्यों से जोड़ने के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा आज शाम कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के सुदूर वनांचल में बसे ग्राम मुल्ला के पुनर्वास केन्द्र में आकस्मिक प्रवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे युवाओं को दिए जा रहे कौशल विकास प्रशिक्षण का जायजा लिया। उन्होंने पुनर्वासित युवाओं से मुलाकात की और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को उनकी सभी मूलभूत समास्याओं का विशेष ध्यान रखने को निर्देशित किया। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने युवाओं से संवाद करते हुए उन्हें प्रतिदिन कम से कम दो व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में एक से अधिक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उन्हें अपेक्षाकृत अधिक कुशल बनाया जा सके जिससे उनके जीवन में दीर्घकालिक रोजगार मुहैया हो सके।

शनिवार शाम को ग्राम मुल्ला पुनर्वास केन्द्र पहुंचे उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने युवाओं से शिक्षा-दीक्षा और खेती के संबंध में जानकारी ली, साथ ही उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को पुनर्वासित परिवार के सदस्यों से पुनर्वास केन्द्र में मुलाकात की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड भी बनवाने एवं स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के निर्देश भी दिए। मुख्यधारा में लौटे युवाओं को परिवार की सहमति होने पर पुनर्वास केंद्र में ही सामूहिक विवाह की व्यवस्था कराने के लिए कहा गया। उन्होंने युवाओं को विधानसभा सत्र के दौरान रायपुर भ्रमण कराकर उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया की जानकारी देने और उन्हें कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

उल्लेखनीय है कि माओवाद विचारधारा से मुख्यधारा में लौटे युवक-युवतियों को वर्तमान में कौशल प्रशिक्षण केंद्र मुल्ला भानुप्रतापपुर में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। पुनर्वास केंद्र में उन्हें काष्ठ शिल्प, राज मिस्त्री तथा इलेक्ट्रिशियन जैसे एडवांस ट्रेड्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वर्तमान में यहां कुल 66 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिसमें 52 पुनर्वासित युवक एवं 14 प्रभावित परिवारों के सदस्य शामिल हैं। जिसमें 36 युवाओं को काष्ठ शिल्प, 15 युवाओं को राज मिस्त्री तथा 15 युवाओं को इलेक्ट्रिशियन ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे स्वावलंबी होकर अपने परिवार एवं समाज के आर्थिक विकास में योगदान देते हुए आत्मनिर्भर बने और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण नरेटी, कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री इंदिरा कल्याण एलेसेला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आकाश श्रीमाली, जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मंडावी, एसडीएम भानुप्रतापपुर श्री जी.डी. वाहिले, डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल रजक, लाइवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य श्री सुनील नेताम सहित जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की सौजन्य मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सौजन्य भेंट की। उप राज्यपाल सिन्हा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को माता वैष्णो देवी का पवित्र प्रसाद भेंट किया। मुख्यमंत्री साय ने उपराज्यपाल सिन्हा का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

गौरेला पेंड्रा मरवाही : कलेक्टर ने विभिन्न छात्रावासों एवं विद्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने शुक्रवार को मरवाही विकासखंड के विभिन्न छात्रावासों और विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय डोंगरिया, पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति छात्रावास (बालक एवं बालिका) मरवाही का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने बच्चों को बताया कि जिले में 'सारथी अभियान' के तहत सितम्बर माह से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाएँ संचालित की जा रही हैं। सारथी अभियान में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय नेवसा, डोंगरिया, लाटा, तथा पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति छात्रावास (बालक एवं बालिका) मरवाही, पोस्ट मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास पेंड्रा, बालक छात्रावास पेंड्रा, कन्या छात्रावास गौरेला (नवीन), बालक छात्रावास टीकरकला गौरेला एवं सामान्य छात्रावास गुरुकुल पेंड्रारोड शामिल हैं। इन संस्थानों में छात्रों को अंग्रेज़ी ग्रामर, गणित, सामान्य ज्ञान और रीजनिंग जैसे विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन एक घंटे की कक्षाएँ दी जाती हैं। साथ ही हर शनिवार को साप्ताहिक टेस्ट भी आयोजित किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों में पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति भी आत्मविश्वास बढ़ सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पढ़ाई और मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में निरंतर प्रयास करें। विषय समझकर पढ़ने, शिक्षकों से प्रश्न पूछने और कम समय में अधिक प्रश्न हल करने की आदत डालें। उन्होंने बच्चों की टेस्ट रिपोर्ट का भी अवलोकन किया और जिन विद्यार्थियों का प्रदर्शन अपेक्षित स्तर का नहीं पाया गया, उनके प्रति विशेष ध्यान देने के निर्देश छात्रावास अधीक्षकों को दिए। साथ ही बच्चों से उनकी समस्याओं के बारे में भी पूछताछ किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे भी उपस्थित रहे।

रामतिल फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन– वैज्ञानिक तकनीकों से बढ़ेगा उत्पादन

अम्बिकापुर, एजेंसी। कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा द्वारा ग्राम तिरकेला, विकासखंड लखनपुर में तिलहन अंतर्गत रामतिल फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। यह आयोजन निदेशक अटारी, जोन ढ्ङ्ग, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं निदेशक विस्तार सेवाएं, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, डॉ. एस.एस. टुटेजा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदर्शन प्रभारी सूर्य प्रकाश गुप्ता द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि रामतिल फसल का प्रदर्शन 50 कृषकों के खेतों में लिया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक तकनीक से जोड़ना और अधिक उत्पादन प्राप्त करना है। इसके लिए केंद्र द्वारा चयनित कृषकों को बीज, खरपतवारनाशक एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई थी।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक पांडुराम पैंकरा ने किसानों को प्राकृतिक खेती की प्रक्रिया एवं उसके लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल लागत कम करती है बल्कि मिट्टी की उर्वरता और उत्पाद की गुणवत्ता भी बढ़ाती है। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा ने फसल की स्थिति का निरीक्षण कर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पद्धति और उचित प्रबंधन से बेहतर उत्पादन एवं लाभ प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने केंद्र द्वारा संचालित कृषक उपयोगी योजनाओं की जानकारी भी किसानों को दी।

कार्यक्रम में बीज प्रमाणीकरण अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता ने किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीज उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है और यदि इसे वैज्ञानिक विधि से किया जाए तो उच्च गुणवत्ता वाले बीज के साथ अधिक मुनाफा भी प्राप्त किया जा सकता है।˙ इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, कृषि विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की बड़ी सौगात

जशपुर जिले में चार नालों पर बनेगा पुल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए चार प्रमुख नालों पर पुल निर्माण हेतु 13 करोड़ 69 लाख 21 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। यह परियोजना ग्रामीण इलाकों में आवागमन को न केवल आसान बनाएगी, बल्कि वर्षा ऋतु में संपर्क मार्गों के बाधित न होने की सुनिश्चितता भी प्रदान करेगी।

दुलदुला एल-025 से बनगांव मार्ग के लिए 3.60 करोड़ रू., चटकपुर से बकुना मार्ग के लिए 2.71 करोड़ रू., मुड़ाअम्बा मुड़ा नाला पर पुल निर्माण हेतु 2.69 करोड़ रू. और फरसाबहार के रायअम्बा से मकरीबंधा कुसुमनाला पर पुल निर्माण के लिए 4.67 करोड़ रू. की स्वीकृति मिली है। इन पुलों के निर्माण से ग्रामीणों का दैनिक आवागमन, स्थानीय व्यापार, शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार संभव होगा।

क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के इस महत्वपूर्ण कदम के लिए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया है। यह परियोजना जशपुर जिले के सामाजिक-आर्थिक विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सहायक होगी और बेहतर भविष्य की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगी।

राज्यपाल डेका से वन मंत्री केदार कश्यप ने की सौजन्य भेंट

राजधानी रायपुर की ट्रैफिक व्यवस्था और पर्यावरण सुधार पर हुई चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन और कौशल विकास मंत्री श्री केदार कश्यप ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने राजधानी रायपुर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार, बाहर से इलाज के लिए आने वाले लोगों के लिए बेहतर परिवहन सुविधा और संस्थागत वनों को बढ़ावा देने से संबंधित निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि स्कूलों, आश्रमों और अन्य शासकीय भवनों के आसपास वृक्षारोपण को प्राथमिकता दी जाए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ हरित आवरण में भी वृद्धि हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि एम्स और नया रायपुर के चिकित्सा संस्थानों में इलाज के लिए दूरदराज़ से आने वाले मरीजों और परिजनों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मोदी की गारंटी, विष्णु के सुशासन से मे श्राम का घर सौर ऊर्जा से हुआ रोशन

भानुप्रताप मेश्राम का बिल हुआ कम, प्राप्त हुई अतिरित आय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अब जन-जन तक पहुँचने लगी है। शहर के सिविल लाइन निवासी भानुप्रताप मेश्राम ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता की रूफटॉप सोलर यूनिट स्थापित की है।

इस योजना के तहत उन्हें केंद्र सरकार से 78,000 रूपए एवं राज्य सरकार से 30,000 रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे सौर संयंत्र की लागत में काफी कमी आई। केवल तीन माह में ही मेश्राम ने 1078 यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया, जिसमें से 612 यूनिट स्वयं उपभोग में लाई गई और 466 यूनिट बिजली विभाग को विक्रय की गई। उन्होंने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों से मिली। योजना से मिले लाभ पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कृ इस योजना से मेरे घर की बिजली का बिल लगभग शून्य हो गया है और अतिरिक्त उत्पादन से आय भी हो रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि इस योजना का लाभ लें और प्रधानमंत्री जी के एक करोड़ घरों में सोलर पैनल लगाने के लक्ष्य में सहभागी बनें।

गौरतलब है कि सोलर यूनिट लगने से पहले श्री मेश्राम का मासिक बिजली बिल औसतन 300 रूपए आता था, जो अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। साथ ही अतिरिक्त सौर ऊर्जा बेचकर उन्हें आय भी प्राप्त हो रही है। इस तरह मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन की बदौलत खैरागढ़ के नागरिक अब न सिर्फ ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन रहे हैं, बल्कि हरित ऊर्जा उत्पादन में भी योगदान दे रहे हैं।

पुनर्वास केंद्र बीजापुर में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का तीसरा बैच शुरू

बीजापुर, एजेंसी। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत पुनर्वास केंद्र बीजापुर में साक्षरता केंद्र का तीसरा बैच आज से प्रारंभ किया गया। इस बैच में कुल 92 आत्मसमर्पित नक्सली असाक्षर साक्षर बनने की दिशा में अध्ययन करेंगे।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं सदस्य सचिव लखनलाल धनेलिया, जिला परियोजना अधिकारी, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण कमलदास झाड़ी, नोडल अधिकारी बसमैया अंगनपल्ली एवं कार्यक्रम से जुड़े कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने उपस्थित शिक्षार्थियों को पढ़ाई के महत्व के बारे में जानकारी दी। जिला परियोजना अधिकारी श्री झाड़ी ने स्थानीय गोंडी बोली में सरल शब्दों में साक्षरता के लाभों को समझायाए जिससे शिक्षार्थियों को विषयवस्तु को समझने में आसानी हुई। इस अवसर पर सभी असाक्षर शिक्षार्थियों को उल्लास प्रवेशिका, कार्य-पुस्तिका एवं पेन प्रदान किए गए। अधिकारियों ने शिक्षार्थियों को नियमित रूप से अध्ययन कर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी।

इस पहल का उद्देश्य आत्मसमर्पित नक्सलियों को शिक्षा के माध्यम से मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाना है।

बाल सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन

बच्चों को गलत दृष्टि से घूरना भी है लैंगिक अपराध

बीजापुर, एजेंसी। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के निर्देशन एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री कांता मसराम के मार्गदर्शन में जिलेभर में बाल सुरक्षा पखवाड़ा के तहत बाल संरक्षण के विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को लैंगिक अपराधों, नशे, बालश्रम, बाल भिक्षावृत्ति और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से सुरक्षित रखना तथा बाल अधिकारों के प्रति समाज और अभिभावकों की भूमिका को सशक्त बनाना है।

जिले के सभी वार्डों में सघन जागरूकता अभियान- विकासखंड भैरमगढ़ के सभी वार्डों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, एक युद्ध नशे के विरुद्ध, पोषण भी पढ़ाई भी, बाल विवाह मुक्त बीजापुर जैसे विषयों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के दौरान स्कूलों, आश्रमों, कॉलेजों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों को बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनों एवं अधिनियमों की जानकारी दी जा रही है।

लैंगिक अपराधों के प्रति सख्त प्रावधान- अधिकारियों ने बताया कि पॉक्सो अधिनियम POCSo Act के तहत बच्चों को किसी भी प्रकार से गलत दृष्टि से घूरना, पीछा करना, रास्ता रोकना या अनुचित तरीके से छूना लैंगिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इसी प्रकार, किशोर न्याय अधिनियम में यह प्रावधान है कि यदि कोई व्यक्ति किसी बच्चे को नशा कराता है या नशे का सामान बेचता है, तो उसे 1 लाख रुपये जुर्माना एवं 2 वर्ष की सजा हो सकती है। गोपनीयता और न्याय का संरक्षण- लैंगिक अपराध के मामलों में पीड़ित की पहचान और गोपनीयता बरती जाएगी।

दोष सिद्ध होने की स्थिति में कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान है। बाल अधिकारों की रक्षा में समाज की भागीदारी आवश्यक -कलेक्टर मिश्रा कलेक्टर संबित मिश्रा ने कहा, श्बाल सुरक्षा केवल प्रशासन की नहीं बल्कि समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। हर अभिभावक, शिक्षक और नागरिक को बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

ज्ञान का खुल रहा द्वार - विद्यार्थियों की सोच बदल रही अखबार

कोरबा जिले के स्कूलों में हुई अब एक नई सुबह की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कोरबा जिले के स्कूलों में अब एक नई सुबह की शुरुआत होती है- हाथों में किताबों के साथ-साथ अखबार भी। यह बदलाव आया है जिला प्रशासन की पहल से, जिन्होंने विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं से जोड़ने और करियर निर्माण में सहयोग देने के उद्देश्य से एक अभिनव कदम उठाया है। उन्होंने डीएमएफ फंड से सभी हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में न्यूज़ पेपर स्टैंड लगवाया है।

पहले स्कूलों में बच्चे केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रहते थे, लेकिन अब जब वे स्कूल के गेट से भीतर प्रवेश करते हैं, तो सबसे पहले न्यूज़ पेपर स्टैंड में सजे अखबारों पर उनकी नज़र जाती है। देश-दुनिया, राज्य और अपने जिले की खबरें पढ़ते हुए उनमें एक नई जिज्ञासा, नई दृष्टि और आत्मविश्वास का संचार होता है। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम लेंगी के हाईस्कूल की छात्रा समीना कहती है कि अब हमें सिर्फ किताबों से ही नहीं, बल्कि अखबार से भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। देश-विदेश की खबरें पढ़कर समझ आता है कि बाहर की दुनिया कितनी बड़ी है और हम उसमें क्या बन सकते हैं। समीना की सहपाठी सोनी मार्को और कल्याणी भी हर सुबह स्टैंड पर लगे अखबार को पढ़ती हैं। वे बताती हैं कि इससे उन्हें परीक्षा की तैयारी में मदद मिलती है और उनका सामान्य ज्ञान भी बढ़ता है। वहीं, कोरबा ब्लॉक के ग्राम अजगरबहार के हायर सेकेंडरी स्कूल में 12वीं की छात्रा आरती, ममता, सुनीता और लक्ष्मनिया बताती हैं कि हम कॉलेज की पढ़ाई करना चाहती हैं। अखबार पढ़कर हमें पता चलता है कि आगे कौन-कौन से कोर्स हैं, कौन-से कॉलेज अच्छे हैं और देश में क्या नई योजनाएं चल रही हैं। यह हमारे लिए बहुत उपयोगी है। इस छोटे से प्रयास ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के विद्यार्थियों में जागरूकता, आत्मविश्वास और भविष्य की सोच को जगाया है।'' अब सुबह की घंटी सिर्फ स्कूल शुरू होने का संकेत नहीं देती वह यह भी बताती है कि ज्ञान का नया द्वार खुल चुका है।

जिला प्रशासन की यह पहल कोरबा जिले के विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ विचार और दृष्टिकोण को समृद्धि भी दे रही है।

गौवंश संरक्षण के लिए कोरबा में गौ सेवा समिति की पहली बैठक संपन्न

कोरबा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग रायपुर के मार्गदर्शन में कोरबा जिले की गौ सेवा समिति की प्रथम बैठक जिला अध्यक्ष विनय सिंह राठिया की अध्यक्षता में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला कोरबा के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक का संचालन प्रभारी उपसंचालक डॉ. मयंक गोस्वामी ने किया। बैठक में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अंतर्गत गौवंश के संरक्षण और संवर्धन हेतु गौ सेवा धाम संचालित करने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। योजना के तहत प्रत्येक विकासखंड में 10 गौ सेवा धाम संचालित किए जाएंगे, जिनमें घूमंतू एवं निराश्रित गौवंशों को सुरक्षित रखा जाएगा। इसके लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर गौ सेवा समितियों का गठन किया गया है, जिनमें सरकार के प्रतिनिधियों सहित अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति पशुधन विकास विभाग द्वारा की गई है। बैठक में जिला समिति के अध्यक्ष श्री विनय सिंह राठिया ने कहा कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए प्रथम चरण में गौ सेवा धाम हेतु स्थल चिन्हांकन किया जाएगा। इसके संचालन के लिए स्वयंसेवी समूहों की वास्तविक स्थिति और निर्धारित मापदंडों पर पशुधन विकास विभाग की चिकित्सकीय टीम द्वारा शीघ्र प्रतिवेदन तैयार किया जाएगा।

भैंस चोरी की पुरानी रंजिश पर खूनी संघर्ष, 10 लोगों ने 4 पर किया हमला; 1 व्यक्ति लापता, ट्रैक्टर से कार को मारी थी टक्कर

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के बरेठी गांव में देर रात भैंस चोरी की पुरानी रंजिश को लेकर चार लोगों पर धारदार हथियारों से हमला किया गया। इस हमले में एक व्यक्ति लापता हो गया है, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में एक व्यक्ति की पांच उंगलियां कट गईं। पुलिस ने 10 आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, यह घटना बमीठा थाना क्षेत्र के बरेठी गांव में हुई। देर रात भगवान सिंह परवा गांव से अपनी कार से आ रहे थे। हरिजन बस्ती के पास गांव के ही प्रताप सिंह, बाबू सिंह, रतन सिंह, भोले सिंह, रुद्र सिंह, हल्के सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अरविंद सिंह, बीरेंद्र सिंह और मंगल सिंह ने एक ट्रैक्टर से उनकी कार को टक्कर मार दी।

बचाने आए तो बका-कुल्हाड़ी से किया हमला : जब रणवीर, रोशन, अनरत और सूबेदार सिंह उन्हें बचाने पहुंचे, तो हमलावरों ने बका, कुल्हाड़ी और डंडों से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में सभी के सिर में चोटें आईं। अनरत की दोनों हाथों की पांच उंगलियां कट गईं। घटना के बाद आरोपी भगवान सिंह को अपने साथ ले गए और मौके से फरार हो गए। पुलिस लापता भगवान सिंह की तलाश कर रही है।

10 लोगों पर मामला दर्ज : डायल 112 पर सूचना मिलने के बाद बमीठा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने 10 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 191(2), 191(3), 190, 296(ड्ड), 115(2), 351(3), 324(4) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश जारी है।

घायल जिला अस्पताल रेफर : हमले में घायल हुए सभी लोगों को पहले खजुराहो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घायलों का इलाज जारी है। घायल रणधीर सिंह ने बताया कि तीन साल पहले उनके परिवार के लोगों ने भैंस चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसकी रंजिश के चलते यह मारपीट की गई है।

पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप: घायल रणधीर सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों के खिलाफ पहले भी मारपीट और जमीनी विवाद के कई मामले दर्ज हैं, लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती।

सीहोर में 5 दिन में 11 डिग्री गिरा पारा-न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री पहुंचा; मौसम विभाग बोला- अभी और बढ़ेगी सर्दी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले में अब ठंड ने तेज दस्तक दे दी है। रविवार (9 नवंबर) को न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में ठंड का प्रभाव और बढ़ने की संभावना जताई है। जिले में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में लगभग दो गुना से अधिक का अंतर देखा जा रहा है।

वैज्ञानिक बोले- बादल छंटने से बढ़ेगी ठंड : शासकीय कृषि महाविद्यालय स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि आसमान से बादल धीरे-धीरे साफ हो रहे हैं। इसी कारण आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ेगी। उन्होंने आज का न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस बताया।

तापमान में लगातार गिरावट : पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे लोगों को अब ठंड का एहसास होने लगा है।

ऐसा रहा पारे का गोता : आंकड़ों के अनुसार, 4 नवंबर को न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस था, जो 5 नवंबर को 18.5, 6 नवंबर को 15.5, 7 नवंबर को 10.5, 8 नवंबर को 10 और 9 नवंबर को 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह लगातार गिरावट ठंड के तेज होने का संकेत है।

रायसेन में रात का पारा 10 डिग्री तक लुढ़का, दिन-रात में 4-6 डिग्री की गिरावट; लोग सुबह अलाव का सहारा ले रहे

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में पिछले तीन दिनों से रात का तापमान लगातार 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। ठंड बढ़ने से सुबह के समय लोग अलाव के पास गर्मी लेते दिख रहे हैं। बच्चे और बुजुर्ग विशेष रूप से ठिठुरन महसूस कर रहे हैं। घर से बाहर निकलते समय सभी ने जैकेट और स्वेटर पहनना अनिवार्य कर लिया है।

दिन-रात के तापमान में 4-6एष्ट की गिरावट : पिछले कुछ दिनों में दिन और रात के तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा रही है। जहां रात का न्यूनतम तापमान लगातार तीसरे दिन 10 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं दिन का अधिकतम तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी के चलते बर्फीली हवाएं मध्य प्रदेश की ओर आ रही हैं। इसी कारण नवंबर की शुरुआत में ही ठंड तेज हो गई है। कोहरे के कारण दृश्यता कम रहती है। अब दिन में भी ठंड का असर बढ़ रहा है।

पैदल जा रहे व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने रोंदा, मौत:आगर-उज्जैन मुख्य मार्ग पर हादसा; अभी तक नहीं हो पाई मृतक की पहचान

आगर मालवा, एजेंसी। आगर-उज्जैन मुख्य मार्ग पर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात एक सड़क हादसे में पैदल जा रहे एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना गूंदी कला फंटे के पास हुई, जहां एक अज्ञात वाहन ने व्यक्ति को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा रात करीब तीन बजे हुआ, जब मार्ग पर टैफिक कम था। टक्कर मारने के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही तनोड़िया पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी सचिन धाकड़ अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के शव को जिला अस्पताल आगर के शवगृह में रखवाया है।

अभी तक नहीं हो पाई पहचान पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस शिनाख्त के प्रयास कर रही है और पहचान होने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। अज्ञात वाहन चालक की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

भारी वाहनों की आवाजाही से हो रहे हादसे : पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस क्षेत्र में रात के समय भारी वाहनों और तेज रफ्तार बाइकों का आवागमन बढ़ गया है, जिससे हादसों की आशंका बनी रहती है। उन्होंने प्रशासन से सड़क पर पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

झगड़े में बीच बचाव करने पहुंचे किशोर को चाकू मारा:घायल आधे घंटे सड़क पर पड़ा रहा, इलाज के दौरान मौत; तीन गिरफ्तार

दमोह, एजेंसी। दमोह शहर में शनिवार रात एक विवाद में बीच-बचाव करने पहुंचे 17 वर्षीय किशोर सुमित जैन को चाकू मार दिया गया। गंभीर रूप से घायल सुमित की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह घटना सरस्वती स्कूल रेस्ट हाउस के पास रात करीब 11 बजे हुई। सुमित अपने दोस्त अखिल चौरसिया के विवाद में हस्तक्षेप करने पहुंचा था। चाकू लगने के बाद अखिल और अन्य साथी मौके से भाग गए। आरोपी करीब आधे घंटे तक घायल सुमित के पास खड़े होकर उसे बचाने के लिए उसके साथियों को चुनौती देते रहे। घायल सुमित को आधे घंटे बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीएसपी एचआर पांडे ने बताया कि शिवम पाठक, आकाश पाठक और अंकित राजपूत को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस एक अन्य आरोपी की तलाश कर रही है। सीएसपी पांडे के अनुसार, अखिल चौरसिया का आरोपियों से कुछ विवाद हुआ था। अखिल ने अपने दोस्त सुमित को बुलाया था, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने सुमित जैन को चाकू मार दिया। रविवार सुबह करीब 10:30 बजे युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

श्योपुर में आदिवासी महिला ने तहसीलदार के पैर पकड़े:जमीन पर कब्जे से परेशान होकर बोलीं- मैडम कुछ करो नहीं तो जान दे दूंगी

श्योपुर, एजेंसी। आदिवासी महिलाओं ने अपनी पुश्तैनी जमीन पर हो रहे कब्जे से परेशान होकर तहसीलदार के पैर पकड़े। - आदिवासी महिलाओं ने अपनी पुश्तैनी जमीन पर हो रहे कब्जे से परेशान होकर तहसीलदार के पैर पकड़े। श्योपुर के कराहल तहसील मुख्यालय में शनिवार दोपहर एक आदिवासी महिला और उनकी बहू ने अपनी पुश्तैनी जमीन पर हो रहे कब्जे से परेशान होकर तहसीलदार के पैर पकड़ लिए। उन्होंने तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे अपनी जान दे देंगी। इस घटना ने प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़ित महिला सावित्री बाई आदिवासी ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को दिए आवेदन में बताया कि वे सर्वे नंबर 645/3 की 3.1350 हेक्टेयर भूमि की स्वामिनी हैं। उनका परिवार वर्षों से इसी जमीन पर निवास कर रहा है। आरोप है कि खिरखिरी गांव के कुछ दबंगों ने उनकी टपरिया तोड़ दी है और कई दिनों से रात में निर्माण कार्य कर उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। महिला ने बताया कि शिकायत के आठ दिन बाद भी प्रशासन चुप सावित्री बाई के अनुसार, उन्होंने अपनी जमीन और जान बचाने के लिए 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी थी।

रतलाम में देर रात हल्के भूकंप के झटके, ग्रामीण घरों से बाहर निकले

रतलाम, एजेंसी। रतलाम जिले की पिपलौदा तहसील के मचून गांव में शनिवार देर रात करीब 10 बजे हल्के झटके महसूस किए गए। ग्रामीणों ने इसे भूकंप जैसा बताया, लेकिन प्रशासन ने अभी तक किसी भूकंप की पुष्टि नहीं की है।

झटकों से लोग डर गए और सभी घरों से बाहर निकल आए। ग्रामीणों ने बताया कि नई आबादी क्षेत्र में झटके ज्यादा महसूस हुए। सरपंच प्रतिनिधि शंकर सोलंकी के घर के पास निर्माणाधीन दीवार का एक हिस्सा गिर गया। इसके अलावा कई घरों में रखे बर्तन भी नीचे गिर पड़े। झटके केवल कुछ सेकेंड तक महसूस किए गए।

प्रशासनिक अधिकारियों ने लिया जायजा : ग्रामीणों ने देर रात प्रशासन को इसकी सूचना दी। पिपलौदा तहसीलदार देवेंद्र कुमार दानगढ़ के साथ राजस्व और पिपलौदा पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा की और क्षेत्र का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कहा कि झटके हल्के थे और किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली। अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है।

पिपरिया रेलवे स्टेशन का पुराना फुटब्रिज टूटेगा, 12 मीटर चौड़ा नया पुल बनेगा; लिफ्ट-एस्केलेटर भी लगेंगे

पिपरिया, एजेंसी। पिपरिया रेलवे स्टेशन का अंग्रेजों के जमाने का यात्री फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) काफी कमजोर हो चुका है। इसे तोड़कर जल्द ही एक नए पुल का निर्माण शुरू किया जाएगा। इस पुल पर 9 नवंबर से यात्रियों का आवागमन बंद कर दिया गया है और वैकल्पिक फुट ओवर ब्रिज का उपयोग शुरू हो गया है। रेलवे सीनियर सेक्शन इंजीनियर चंद्र मौलेश्वर ने रविवार को बताया कि इस पुल की कार्यशीलता अवधि समाप्त हो चुकी है। विभाग ने इसे आवागमन के लिए अयोग्य मानते हुए तोड़ने के आदेश जारी कर दिए हैं। पिपरिया शहर स्टेशन के दोनों ओर

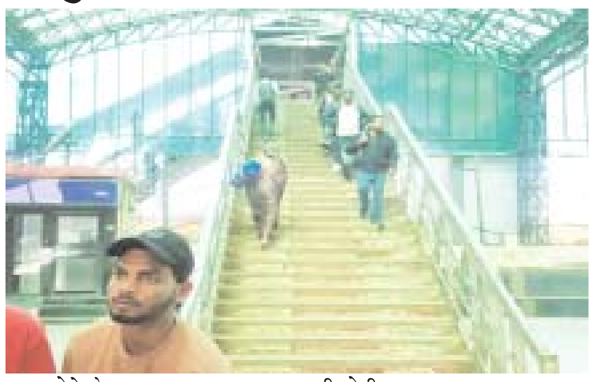

बसा होने के कारण यह पुल आम नागरिकों के लिए भी महत्वपूर्ण था। इसलिए रेलवे ने इसके स्थान पर 12 मीटर चौड़ा नया पैदल पुल स्वीकृत किया है। इस नए पुल में लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा भी होगी।

सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने बताया कि नया पुल भी पहले की तरह तीनों प्लेटफार्म को जोड़ेगा और बाहर दोनों तरफ से भी आवागमन के लिए खुला रहेगा। रेलवे ने जनता से इटारसी की ओर बने पुल का उपयोग कर सहयोग करने का अनुरोध किया है। इटारसी छोर पर बने इस प्लेटफार्म पुल को भी बाहर से आने-जाने के लिए खोल दिया गया है।

रेलवे परिसर में इस समय अमृत भारत योजना के अंतर्गत सौंदर्यीकरण का कार्य भी चल रहा है। इसके तहत पचमढ़ी साइड पर प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग द्वार बनाए गए हैं। परिसर में पक्की आरसीसी सड़क और टाइल्स युक्त फुटपाथ भी बनाई गई है। स्टेशन भवन के सामने ग्रीन ग्रास, स्टील रेलिंग और एक रेल इंजन रखकर सजावट की गई है।

तस्करी की नई ट्रिक, ट्रैक्टर के ट्यूबलेस टायरों व डिस्क के बीच भरकर ले जा रहे थे डोडा चूरा

मंदसौर, एजेंसी। मादक पदार्थ को सप्लाई करने के लिए तस्कर आए दिन नई ट्रिक आजमा रहे हैं। ताजा मामले में बिना नंबर वाले ट्रैक्टर के टायर व डिस्क के बीच में से 150 किलो डोडा चूरा बरामद हुआ। नारायणगढ़ टीआई राजेंद्र कुमार पंवार ने बताया ट्रैक्टर के ट्यूबलेस टायरों में स्कीम बनाकर तस्करी की वारदात को अंजाम देने की कोशिश हो रही थी। ट्रैक्टरों के टायरों से कुल 150 किलो डोडा चूरा मिला। टीआई पंवार ने बताया पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर खेजड़ी फंटे के पास ईरली रोड स्थित कुएं के पास ये कार्रवाई की। एक बिना नंबर के ट्रैक्टर को रोका गया। जांच में ट्रैक्टर के पीछे वाले ट्यूबलेस टायरों में बनी स्कीम में से प्लास्टिक की थैलियों में डोडा चूरा निकाला। इसे जब्त कर आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की गई।

आरोपियों ने पूछताछ में अपनी पहचान रतलाम जिले के कराड़िया थाना बरखेड़ाकला निवासी मांगीलाल (26) पिता जगदीश पाटीदार व ग्राम साखतली थाना सीतामऊ निवासी विक्रम उर्फ विनोद (35) पिता भंवरलाल पाटीदार होना बताई। आरोपियों से दो मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। मामले में तस्करी के नेटवर्क को लेकर जांच की जा रही है। पुलिस पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

नीमच = सीमेंट-कांक्रीट मिक्सर से 1145 किलो डोडा चूरा जब्त : सीबीएन (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स) की पी एंड आई सेल जावरा ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए माननखेड़ा टोल जिला रतलाम के पास एक कांक्रीट मिक्सर को डोडा चूरा तस्करी करते पकड़ा। टीम ने 1145 किलो डोडा चूरा एवं वाहन जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। अधिकारियों को सूचना मिली थी कि गुजरात के पंजीकरण वाला एक कांक्रीट मिक्सर ट्रक वाहन में डोडा चूरा छिपाकर मनासा से जोधपुर की ओर ले जाया जाएगा। अधिकारियों ने एक टीम का गठन किया। टीम ने संदिग्ध मार्ग की निगरानी रखी। वाहन को जावरा-नयागांव टोल प्लाजा ग्राम माननखेड़ा जिला रतलाम में रोका। तलाशी लेने पर कांक्रीट मिक्सर ड्रम में भरा 1145 किलो डोडाचूरा मिला। टीम आगे की कार्रवाई कर रही है।

खंडवा में हॉस्टल से गिरी छात्रा की हालत नाजुक, इंदौर में आठवें दिन वेंटिलेटर सपोर्ट पर; 9वीं की पढ़ाई कर रही थी

खंडवा, एजेंसी। खंडवा के आदिवासी हॉस्टल से गिरकर घायल हुई नौवीं कक्षा की छात्रा की हालत और गंभीर हो गई है। इंदौर के इंडेक्स अस्पताल में आठ दिन से उसका इलाज चल रहा है। शनिवार सुबह तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया। देर रात तक भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। सूत्रों का कहना है कि छात्रा ब्रेन डेड हो गई है, लेकिन डॉक्टरों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हादसा 1 नवंबर को हरसूद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रजूर स्थित माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर में हुआ था। छात्रा पूजा डावर हॉस्टल की गैलरी से गिर गई थी। उसे गंभीर हालत में खंडवा जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों ने एमवाय अस्पताल इंदौर रेफर किया।

मंत्री ने करवाया इंडेक्स अस्पताल में भर्ती : इसके बाद क्षेत्रीय विधायक और जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने इलाज की बेहतर सुविधा के लिए छात्रा को इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में भर्ती कराया। यहां

डॉक्टरों की टीम लगातार उसका इलाज कर रही है।

ब्रेन डेड होने की आशंका, डॉक्टरों की पुष्टि बाकी : शनिवार को इलाज के आठवें दिन बच्ची की हालत बिगड़ गई और होश नहीं आया। अस्पताल प्रबंधन ने ब्रेन डेड होने की बात पर कोई पुष्टि नहीं की है। छात्रावास अधीक्षिका कोकिला बौरासी ने बताया कि बच्ची की हालत में कोई सुधार नहीं है।

सनावद-पुनासा हाईवे पर करौली गांव में चक्काजाम

खंडवा,एजेंसी। जिले के करौली गांव में ग्रामीणों ने शनिवार को हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। करीब दो घंटे तक लोग हाईवे पर बैठे रहे, इस दौरान दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने के बाद तहसीलदार मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने कहा कि हाईवे पर वाहनों की तेज रफ्तार लोगों की जान ले रही है। गांव में 8 स्थान बताए, जहां स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग रखीं। ग्रामीण अमूल चंद्रे ने बताया कि सनावद-पुनासा रोड़ पर आए दिन हादसे होते है। इनमें करौली गांव और आसपास तो रोज एक-दो वाहन पलटने की खबरें आ जाती है।

झिरना मंदिर विवाद : रिटायर्ड डीएसपी सुरेश सिकरवार के समर्थन में शिवपुरी में सर्वसमाज की विशाल रैली

पुजारी पर अवैध कब्जे और झूठी एफआईआर दर्ज कराने का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। झिरना मंदिर से जुड़े विवाद में रविवार को एक नया मोड़ आ गया। रिटायर्ड डीएसपी सुरेश सिंह सिकरवार के समर्थन में शिवपुरी के सर्वसमाज के हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और उन्होंने मंदिर के पुजारी पर अवैध कब्जे और झूठी प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराने का गंभीर आरोप लगाया।

क्षत्रिय महासभा, लोकल ट्रक ऑपरेटर यूनियन, व्यापारी वर्ग, और ग्रामीण अंचल के प्रतिनिधियों सहित सर्वसमाज के लोगों ने दो बत्ती चौराहा स्थित चिंता हरण हनुमान मंदिर पर इकट्ठा होकर एक रैली निकाली। रैली के बाद, सभी लोग एसपी ऑफिस पहुंचे और पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मुख्य दावे और आरोप: सर्वसमाज ने ज्ञापन में रिटायर्ड डीएसपी सुरेश सिंह सिकरवार पर थाना सतनवाड़ा में दर्ज एफआईआर को झूठी और भ्रामक करार दिया है और कहा है कि यह राजनीतिक दबाव में दर्ज कराई गई है।

सर्वसमाज का दावा है कि एफआईआर झिरना मंदिर के पुजारी बलराम उर्फ लक्ष्मण दास उर्फ कम्मो गुर्जर ने राजनीतिक दबाव में दर्ज कराई है। ज्ञापन में कहा गया है कि जिस दिन का विवाद बताया जा रहा है, उस दिन पुजारी स्वयं सिकरवार के महल कॉलोनी स्थित घर पर आया था, जहाँ उसे चाय-पानी कराया गया। यह पूरा घटनाक्रम घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड है।

सर्वसमाज ने पुजारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उसका आपराधिक इतिहास रहा है और वह पूर्व में एसएएफ जवान की हत्या के मामले में जेल की सजा काट चुका है और राजेंद्र गुर्जर गैंग से जुड़ा रहा है। आरोप है कि पुजारी ने मंदिर पर बलपूर्वक कब्जा कर लिया है और शासन की अनुमति के बिना अवैध निर्माण कराए हैं, साथ ही मंदिर परिसर में व्यावसायिक गतिविधियां चला रहा है। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि पुजारी ने अपने राजनीतिक संपर्कों का उपयोग करते हुए रेंजर माधव सिंह सिकरवार के पिता के खिलाफ भी एक झूठा मामला दर्ज कराया, जिसका उद्देश्य प्रशासन पर दबाव बनाना था। सर्वसमाज ने पुलिस अधीक्षक से थाना सतनवाड़ा में दर्ज प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि सच्चाई सामने लाकर निर्दोष अधिकारी को न्याय दिया जाना चाहिए।

न्याय के लिय दौड़ के उद्घोष से विधिक सेवा सप्ताह का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में तथा प्रथम जिला न्यायाधीश अध्यक्ष विधिक सेवा समिति दिनेश कुमार खटीक के मार्गदर्शन में विधिक सेवा दिवस के अवसर पर नए अमोला स्थित खेल परिसर में टाइगर अकेडमी के सहयोग से छात्रों के मध्य न्याय के लिए दौड़ कानूनी जागरूकता की ओर प्रत्येक कदम के उदघोष से मैराथन दौड़/दौड़ कार्यक्रम का आयोजन जनभागीदारी एवं जागरूकता को मजबूत करने के उद्देश्य से कराया गया। उक्त मैराथन दौड़ में लगभग 140 छात्रों ने हिस्सा लिया। जिसमें प्रथम स्थान प्रशांत लोधी, द्वितीय स्थान हृदेश कदम एवं तृतीय स्थान कृष्ण खरे ने प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम आयोजन में संचालक प्रतीक राय एवं अमन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भारत को जल्द मिल सकती है एशिया कप की ट्रॉफी

नई दिल्ली, एजेंसी।। भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को हराकर एशिया कप 2025 का खिताब जीता था। भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब अब तक नहीं मिला है। इसके लिए बीसीसीआई और एसीसी के बीच वार्ता जारी है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने एशिया कप खिताब को लेकर सकारात्मक बयान दिया है। देवजीत सैकिया ने दुबई में हुई आईसीसी बैठक के बाद एशिया कप ट्रॉफी से जुड़े विवाद का हल निकलने की उम्मीद जताई है। इसके लिए उन्होंने बातचीत का रास्ता सुझाया है। उन्होंने कहा, मैं आईसीसी की अनौपचारिक और औपचारिक बैठकों में शामिल था। पीसीबी और एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भी मौजूद थे। आईसीसी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी की मौजूदगी में मेरी और नकवी की बैठक हुई। बातचीत का शुरू होना अच्छा है। दोनों पक्ष जल्द से जल्द इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कोई न कोई रास्ता निकालेंगे। गतिरोध खत्म हो गया है। हम इस मुद्दे को सुलझाने और सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के विकल्प भी देंगे।

भारत ने 28 सितंबर को फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद अभी तक एशिया कप ट्रॉफी नहीं ली है। इसकी वजह मोहसिन नकवी का पाकिस्तान का गृह मंत्री होना है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। पहली बार तनावपूर्ण संबंध का असर क्रिकेट के मैदान पर दिखा। भारतीय कप्तान ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हुए तीनों मैचों में पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। भारतीय टीम ने भी मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। इसे लेकर वैश्विक स्तर पर चर्चा हुई थी।

फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया था। मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में एसीसी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारतीय टीम को एशिया कप का खिताब देना चाहते थे। भारतीय टीम इसके लिए तैयार नहीं थी। एक घंटे से भी ज्यादा समय बीत जाने और गतिरोध बरकरार रहने के बाद अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज और तिलक वर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार देकर समारोह खत्म कर दिया गया। नकवी अपने साथ ट्रॉफी ले गए थे।

पिछले चार साल में चार टी20 सीरीज हारी ऑस्ट्रेलिया, तीन बार भारत बना विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी । ऑस्ट्रेलिया दुनिया की सबसे मजबूत क्रिकेट टीम मानी जाती है। वेन्यू और फॉर्मेट कोई भी हो, ऑस्ट्रेलिया को हराना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं है। लेकिन, ऑस्ट्रेलिया के लिए अगर कोई टीम सबसे बड़ी चुनौती है, तो वो भारतीय टीम है। पिछले चार साल के टी20 के आंकड़े यही कहते हैं। ऑस्ट्रेलिया पिछले चार साल में घर में या फिर विदेश में खेली गई द्विपक्षीय सीरीज में सिर्फ 4 सीरीज हारी है। इन चार सीरीज में तीन बार ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा इंग्लैंड ने एक बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज जीती है। 2022 में ऑस्ट्रेलिया एक द्विपक्षीय टी20 सीरीज हारी थी। ये हार उसे भारत के खिलाफ 1-2 के अंतर से मिली थी। 2023 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में 0-2 से हराया था। 2023 में ऑस्ट्रेलिया को भारत में खेली गई सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद 2025 में ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर से अपने घर में भारत के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज 1-2 से गंवानी पड़ी है। सीरीज के 2 मैच बारिश की वजह से धुल गए। इस तरह ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 फॉर्मेट में भारत ही सबसे बड़ी चुनौती है। टी20 विश्व कप 2024 में भी ग्रुप स्टेज के बेहद अहम मैच में ऑस्ट्रेलिया भारत से हारकर ही सेमीफाइनल से बाहर हुई थी। टी20 में भारत का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारी रहा है। पांचवें टी20 से पहले खेले गए 36 मैचों में भारतीय टीम ने 22 मैचों में जीत हासिल की, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 12 मैच जीते हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज 2025 विश्व कप 2026 की तैयारी के लिए एक अहम सीरीज मानी जा रही थी। लेकिन, सीरीज बारिश की वजह से प्रभावित रही। दो मैच बारिश की वजह से धुल गए।

जोकोविच ने फैंस को चौंकाया, एटीपी फाइनल्स से नाम लिया वापस

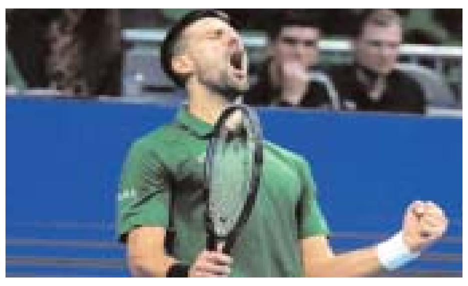

एथेंस, एजेंसी। स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने एथेंस में शानदार जीत दर्ज करने के कुछ घंटों बाद ही एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने का ऐलान करते हुए फैंस को चौंका दिया। नोवाक जोकोविच ने हेलेनिक चैंपियनशिप में खिताब जीता। 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने करीब 3 घंटों तक चले फाइनल में लोरेंजो मुसेट्टी को 4-6, 6-3, 7-5 से शिकस्त दी। इस दौरान निर्णायक सेट में 13 ब्रेक प्वाइंट और पांच बार सर्विस ब्रेक शामिल थे। मुसेट्टी को एटीपी टूर फाइनल में लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने साल 2022 में हैम्बर्ग और नेपल्स में अपने पहले दो खिताब जीते थे।

जीत के बाद जोकोविच ने सोशल मीडिया पर एटीपी फाइनल्स से नाम वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा, मुझे दुख है कि चोट की वजह से एटीपी फाइनल्स से हटना पड़ रहा है। मुझे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। मैं उन फैंस से माफी चाहता हूं, जो मुझे खेलते हुए देखने की उम्मीद कर रहे थे। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस फैसले के बाद मुसेट्टी अब उनकी जगह ट्यूरिन में खेले जाने वाले एटीपी फाइनल्स में शामिल होंगे। इससे पहले साल 2024 में भी जोकोविच चोटिल होने की वजह से यह टूर्नामेंट मिस कर चुके हैं। हार्ड कोर्ट पर अपने 72वें टूर-स्तरीय खिताब के साथ जोकोविच ने ओपन एरा में सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है। जीत के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा, मैं यह जीत ग्रीस के लोगों को समर्पित करता हूं। आप मेरा समर्थन करते हैं। आप टेनिस का समर्थन करते हैं। आपने मुझे घर जैसा महसूस कराया है। यह जीत यहां इतने सारे परिवारों के साथ और भी खास लगती है। इस खूबसूरत टूर्नामेंट को इतना खास बनाने वाले सभी लोगों का भी बहुत-बहुत आभार। जोकोविच ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मुसेट्टी, क्या शानदार मुकाबला था। अविश्वसनीय प्रदर्शन और टूर्नामेंट के लिए बधाई। इसे जारी रखो, तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल है।

ऋचा घोषः बंगाल सरकार ने बंग भूषण पुरस्कार और डीएसपी पद से नवाजा, कैब ने भेंट किया सोने का बल्ला

कोलकाता, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 में भारतीय टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाली विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष को शनिवार को ईडन गार्डन्स में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सम्मानित किया। दाएं हाथ की विस्फोटक बल्लेबाज ऋचा को बंगाल सरकार ने बंग भूषण पुरस्कार के साथ ही पुलिस उपाधीक्षक पद दिया। इसके अलावा उन्हें सोने की चेन भी भेंट की गई। बंग भूषण और बंग विभूषण पुरस्कार पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान हैं। यह सम्मान कला, संस्कृति, साहित्य, लोक प्रशासन और सार्वजनिक सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों को दिया जाता है। भारत के लिए क्रिकेट का विश्व कप जीतने वाली ऋचा घोष पश्चिम बंगाल की पहली क्रिकेटर बनी हैं। बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए 34 लाख रुपये की नकद राशि से सम्मानित किया। इसके अलावा, बोर्ड ने उन्हें सोने का एक बल्ला और गेंद भेंट किया। दरअसल, 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए फाइनल मैच को 52 रन से जीतकर भारतीय टीम ने खिताब जीता था। इस मैच में ऋचा घोष ने 34 रनों की पारी खेली थी। इसी वजह से उन्हें 34 लाख का इनाम दिया गया। ऋचा ने 24 गेंद पर खेली गई अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए थे। बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि ऋचा बंगाल की गौरव हैं।

आरसीबी की नई असिस्टेंट कोच होंगी अन्या श्रुबसोल, फ्रेंचाइजी ने कर दी पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर अन्या श्रुबसोल को असिस्टेंट कोच नियुक्त करने की पुष्टि की है। वनडे वर्ल्ड कप 2017 की विजेता पहली बार विमेंस प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) में आरसीबी के सेटअप का हिस्सा होंगी। अन्या श्रुबसोल अब मलोलन रंगराजन के साथ जिम्मेदारी संभालेंगी, जिन्हें आगामी सीजन के लिए हेड कोच के रूप में पदोन्नत किया गया है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा करते हुए लिखा, एक चैंपियन, अब हमारी लड़कियों का मार्गदर्शन करने के लिए आगे आ रही हैं। इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज, 2017 महिला विश्व कप विजेता और फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहीं अन्या श्रुबसोल का डब्लूपीएल में आरसीबी के असिस्टेंट कोच के रूप में स्वागत करने में हमारे साथ शामिल हों। अन्या का अनुभव और चैंपियन मानसिकता आरसीबी के प्लेबोल्ड दर्शन को आगे ले जाएगी।

श्रुबसोल साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले चुकी हैं। उनके नाम 200 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। श्रुबसोल ने अब अपना ध्यान कोचिंग पर केंद्रित कर लिया है। वह इंग्लिश घरेलू सर्किट में सदर्न वाइपर्स में चार्लोट एडवर्ड्स के अधीन प्लेयर-असिस्टेंट कोच के रूप में काम कर चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि यह बदलाव 2024 और 2025 के अभियानों के दौरान आरसीबी के हेड कोच रहे ल्यूक विलियम्स के बिग बैश लीग (बीबीएल) में एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण सीजन से बाहर होने के बाद हुए हैं।

आरसीबी ने इस सप्ताह की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले स्मृति मंधाना, ऋचा घोष, एलिस पेरी और श्रेयंका पाटिल को टीम में बनाए रखने की घोषणा की है। डब्ल्यूपीएल 2024 में आरसीबी को जीत दिलाने वालीं कप्तान स्मृति मंधाना अपनी भूमिका जारी रखेंगी। उन्हें 3.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज घोष ने भी 2.75 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइजी के साथ फिर से करार किया है। एलिस पेरी 2 करोड़ रुपये में आरसीबी के साथ बनी रहेंगी, जबकि स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को 60 लाख रुपये में रिटेन किया गया है।

टोक्यो में होने वाले 2025 डेफलिंपिक खेलों के लिए भारत ने की रिकॉर्ड 111 सदस्यीय दल की घोषणा

भारतीय राष्ट्रीय दल में 15 से 26 नवंबर तक होने वाले डेफलिंपिक में 11 खेलों में 73 एथलीट शामिल होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने 15 नवंबर से 26 दिसंबर तक जापान के टोक्यो में होने वाले आगामी डेफलिंपिक खेलों के लिए 111 सदस्यीय दल की घोषणा की है। इस दल में 73 एथलीट और 38 कोच शामिल हैं। यह डेफलिंपिक खेलों में अब तक का सबसे बड़ा भारतीय दल है।

केंद्रीय खेल मंत्रालय ने सरकार की लागत के आधार पर इस दल को मंजूरी दी है। भारत 11 खेलों - एथलेटिक्स, बैडमिंटन, गोल्फ, जूडो, कराटे, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, कुश्ती और टेनिस में भाग लेगा।

डेफलिंपिक खेलों का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बधिर खेल समिति (आईसीएसडी) द्वारा किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा मान्यता प्राप्त आईसीएसडी अगस्त 1924 से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है। आईसीएसडी अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति से संबद्ध नहीं है।

आईओसी के संरक्षण में आयोजित होने वाले डेफलिम्पिक्स, दुनिया के दूसरे सबसे पुराने अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन हैं।

आईसीएसडी के सदस्यों में अब 117 विभिन्न देशों के संबद्ध राष्ट्रीय खेल संगठन शामिल हैं। आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने 16 मई 2001 के अपने निर्णय में, विश्व बधिर खेलों का नाम बदलकर डेफलिम्पिक्स कर दिया, जिससे खेलों के शीर्षक और उनकी स्थिति के बीच का विरोधाभास समाप्त हो गया।

पहला डेफलिम्पिक्स, जिसे अंतरराष्ट्रीय मूक खेल के रूप में जाना जाता है, 1924 की गर्मियों में पेरिस में आयोजित किया गया था, और बाद में, ये बधिर खेल द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक अंतराल के साथ हर चार साल में आयोजित किए जाने लगे।

1924 से आज तक आईसीएसडी ने ओलंपिक खेलों के वर्ष के बाद के वर्ष में 24 ग्रीष्मकालीन और 18 शीतकालीन डेफलिम्पिक्स का आयोजन किया है। इसके अलावा हर चार साल में विभिन्न खेलों में विश्व चैंपियनशिप और क्षेत्रीय चैंपियनशिप आयोजित की जाती हैं। हाल ही में ब्राज़ील के कैक्सियास डू सुल में आयोजित 24वें ग्रीष्मकालीन डेफलिम्पिक्स में 2,400 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया था। भारत 1965 से अंतरराष्ट्रीय बधिर खेलों में भाग ले रहा है। वाशिंगटन में भारत की पहली उपस्थिति में सात पुरुष एथलीटों और पांच अधिकारियों ने भाग लिया था। 1985 में पहली बार तीन महिला एथलीटों ने भाग लिया था। मई 2022 में ब्राज़ील के कैक्सियास डू सुल में आयोजित पिछले डेफलिम्पिक्स 2021 में भारत का प्रतिनिधित्व 39 पुरुष और 26 महिला एथलीटों ने किया था।

भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 16 पदक, जिसमें आठ स्वर्ण, 1 रजत और सात कांस्य पदक जीता है। कुल मिलाकर भारत ने 26 स्वर्ण पदक, 9 रजत और 17 कांस्य पदक जीते हैं। ब्राज़ील में हुए पिछले ग्रीष्मकालीन खेलों में भारत ने 11 खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए 65 एथलीट भेजे थे। बैडमिंटन में, जेरलिन जयरत्चगन ने तीन स्वर्ण पदक जीते थे। धनुष श्रीकांत ने 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग स्पर्धा में 247.5 अंकों के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए दो स्वर्ण पदक जीते थे। टेनिस में पृथ्वी शेखर ने तीन पदक जीते। कुश्ती में, वीरेंद्र सिंह ने कांस्य पदक के साथ लगातार पांचवां डेफलिंपिक पदक जीता था। टोक्यो ओलंपियन गोल्फ़र दीक्षा डागर ने रजत पदक जीता था। भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सोफिया 1993 में रहा था, जब उन्होंने पांच स्वर्ण और दो कांस्य सहित सात पदक जीते थे। भारत ने कोपेनहेगन 1997 (3 स्वर्ण, 3 रजत, 1 कांस्य) और मेलबर्न 2005 (3 स्वर्ण, 1 रजत, 3 कांस्य) में भी सात-सात पदक जीते थे।

अर्जुन बाबूता एयर राइफल फाइनल में सातवें स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबूता ने काहिरा में चल रही अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) वर्ल्ड चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल के पहले दिन पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में सातवां स्थान हासिल किया। अर्जुन ने क्वालिफिकेशन राउंड में 632.5 अंकों के साथ फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फाइनल में उन्होंने 145.0 अंक जुटाकर सातवां स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में जर्मनी के मैक्सिमिलियन डैलिंगर ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन विक्टर लिंडग्रेन (स्वीडन) ने रजत और ओलंपिक चैंपियन शेंग लिआओ (चीन) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। अर्जुन ने फाइनल की शुरुआत पहले सीरीज़ में 51.9 (10.6, 9.8, 10.6, 10.5, 10.4) अंकों से की और दूसरे सीरीज़ में 52.3 (10.6, 10.1, 10.7, 10.2, 10.7) अंक जुटाए। हालांकि 11वें शॉट में 9.7 का कम स्कोर आने से उनकी रैंकिंग नीचे चली गई और वे दूसरे शूटर के रूप में प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इसी बीच पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में भारत के अनिश भंवाला ने 291-11× का शानदार स्कोर बनाकर पहले चरण की क्वालिफिकेशन के बाद सातवां स्थान हासिल किया। वहीं, समीर गुलिया ने 286-3× और आदर्श सिंह ने 285-8× अंक बनाए। इस स्पर्धा का दूसरा चरण और फाइनल मुकाबला कल खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष छह निशानेबाज फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे।

विश्व चैंपियन डी गुकेश फिडे विश्व कप से बाहर, जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन ने हराया

पणजी, एजेंसी। विश्व चैंपियन डी गुकेश शनिवार को फिडे विश्व कप के तीसरे दौर में जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन से हारकर बाहर हो गए। भारत के शतरंज प्रेमियों के लिए गुकेश का तीसरे दौर से ही बाहर होना चौंकाने वाला है। गुकेश तीसरे दौर की दूसरी बाजी सामान्य समय नियंत्रण में फ्रेडरिक स्वेन से हार गए। गुकेश ने स्थिति का आकलन करने में गलती की। स्वेन ने अंतिम खेल में अपने बेदाग कौशल का प्रदर्शन करके इतिहास रच दिया। अर्जुन एरिगैसी और आर प्रज्ञानंदा अंतिम-32 चरण में जगह बनाने में सफल रहे।

एरिगैसी और प्रज्ञानंदा ने क्रमशः उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव और आर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान को हराकर अंतिम-32 में जगह बनाई। एरिगैसी के लिए अगले दौर में पहुंचने के लिए ड्रॉ की जरूरत थी, जबकि प्रज्ञानंदा ने शुक्रवार को पहला मैच ड्रॉ खेलने के बाद शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की। ग्रैंडमास्टर पी. हरिकृष्णा और वी. प्रणव ने भी अंतिम-32 चरण में जगह बनाई। उन्होंने बेल्जियम के डैनियल दर्धा और लिथुआनिया के टिटास स्ट्रेमाविसियस को समान 1.5-0.5 के अंतर से हराया।

हरिकृष्णा कट बनाने वाले पहले भारतीय थे। वह सफेद मोहरों से कुछ नहीं कर पाए थे, और भारतीय के खिलाफ पहली बाजी हार निर्णायक साबित हुई।

प्रणव ने शुक्रवार को सफेद मोहरों से पहली बाजी जीतने के बाद काले मोहरों से बाजी ड्रॉ कर ली। स्ट्रेमाविसियस ने प्रणव की रक्षापंक्ति को भेदने की भरपूर कोशिश की, लेकिन प्रणव ने रूक-एंड-पॉन्स एंडगेम में खेल को ड्रॉ पर ला दिया।

दिसयान घोष अर्मेनियाई गैब्रियल सर्गिसियन के खिलाफ हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पहले गेम में सफेद मोहरों से आसान ड्रॉ हासिल करने के बाद, दिसयान, जिन्होंने पिछले राउंड में रूस के इयान नेपोमनियाची को हराया था, दूसरे गेम में अपनी लय नहीं पकड़ पाए और 0.5-1.5 से हार गए।

शनिवार का दिन डी गुकेश के बाहर होने की वजह से चौंकाने वाला रहा। भारतीय दल को विश्व कप में गुकेश से बड़ी उम्मीद थी।

अब अपने ही घर पर साउथ अफ्रीका से भारत का सामना 14 नवंबर से

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाने के बाद टी20 सीरीज अपने नाम की। अब टीम इंडिया 14 नवंबर से साउथ अफ्रीका के विरुद्ध अपने ही घर पर टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 14 नवंबर से होने जा रही है। पहला मैच कोलकाता में खेला जाएगा। इसके बाद 22 नवंबर से गुवाहाटी में दूसरे मुकाबले की शुरुआत होगी। दोनों देश तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेलेंगे। पहला मैच रांची में 30 नवंबर से खेला जाएगा, जिसके बाद 3 दिसंबर को रायपुर में दूसरे मुकाबले का आयोजन होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाना है। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 9 दिसंबर से कटक में पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा। 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में सीरीज का दूसरा मैच होगा। तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाना है। 17 दिसंबर को लखनऊ में चौथा टी20 मैच होगा, जबकि 19 दिसंबर को अहमदाबाद में पांचवां मुकाबला आयोजित होगा।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में है, जबकि ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान होंगे। मोहम्मद शमी एक बार फिर टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल टीम के संतुलन को मजबूती देते नजर आएंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी का आक्रमण संभालेंगे। इनके अलावा आकाश दीप को भी टीम में स्थान मिला है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम साबित होगी।

भारत की टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप।

72 बाइक चालकों का चालान बनाया,अब दोनों बाइक सवारों को हेलमेट लगाना अनिवार्य; शहर भर में यातायात पुलिस ने लगाई चेकिंग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। टू व्हीलर वाहनों की सघन चेकिंग अभियान की शुरुआत कर दी है। शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर पुलिस की टीम लगातार वाहनों की जांच में जुटी हुई है। यातायात थाना प्रभारी अनीमा शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत हर दोपहिया वाहन की बारीकी से जांच की जा रही है।

पुलिस न केवल वाहन चालकों के कागजात की पड़ताल कर रही है, बल्कि विशेष रूप से यह देखा जा रहा है कि चालक और पीछे बैठा व्यक्ति दोनों ने हेलमेट लगाया है या नहीं।

बीते दिन ही यातायात पुलिस ने शहर के अलग-अलग स्थानों पर अभियान चलाकर 72 मोटर साइकिल चालकों पर चालानी कार्रवाई की थी। बताया गया कि कई स्थानों पर बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों को मौके पर ही रोका गया, समझाइश दी गई और जुर्माना भी वसूला गया।

थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान आने वाले दिनों में और कड़ा किया जाएगा। पुलिस का उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं, बल्कि शहर में सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना है ताकि हेलमेट पहनने की आदत सभी दोपहिया चालकों और सवारियों में विकसित हो।

रीवा शहर के कॉलेज चौराहा, सर्किट हाउस तिराहा, पद्म धर पार्क और रेलवे स्टेशन रोड सहित कई प्रमुख जगहों पर पुलिस की टीमें तैनात की गई हैं, जो लगातार वाहनों की जांच कर रही हैं।

सरदार पटेल की प्रतिमा का हुआ अनावरण, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल बोलीं-देश की एकता और अखंडता में वल्लभभाई का योगदान अहम

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। रविवार को केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया। मंत्री के आगमन पर जिले में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अनुप्रिया पटेल ने प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और सरदार पटेल के योगदान को याद किया। उन्होंने वृक्षारोपण कर लोगों से पर्यावरण बचाने की अपील की।

मंत्री में सरदार पटेल के योगदान को किया याद: अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की रियासतों को एकजुट किया और भारत को एक बनाया। उन्होंने कहा कि मऊगंज में सरदार पटेल स्मारक संस्थान की ओर से विकसित परिसर उनकी याद को जीवित रखने की कोशिश है।

भारत की अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर पहुंचने की जताई उम्मीद: मंत्री ने बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में चौथे स्थान पर है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने कर्तव्य पथ, नेशनल वॉर मेमोरियल, पुलिस मेमोरियल और अंडमान द्वीपों के नामकरण जैसे कदम उठाकर देश की पहचान को मजबूत किया है।

कार्यक्रम में विधायक प्रदीप पटेल, अपना दल (एस) के विधायक, कलेक्टर संजय कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी सहित अधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे। यह आयोजन सरदार पटेल जयंती के अवसर पर किया गया।

योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की मुहिम, हर विवाह का होगा पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देव उठनी एकादशी के साथ ही विवाहों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। विवाहों के शत-प्रतिशत पंजीयन के लिये प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किये गये हैं। यह योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की एक सराहनीय पहल है। इससे विवाहों का शत-प्रतिशत पंजीयन हो सकेगा, जिससे भविष्य में दंपत्ति को कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विवाह रजिस्ट्रेशन नियम 2008 के अनुसार राज्य के भीतर भारत के नागरिकों के बीच किसी भी विधि या रुढ़ि के अधीन सत्यापित किये गये विवाह का पंजीयन किया जाता है। विवाहों का पंजीयन नहीं होने पर विशेष तौर पर महिलाओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पति की मृत्यु के बाद उनको मिलने वाले स्वत्वों के भुगतान आदि में परेशानी होती है।

आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी विकास मिश्रा ने बताया है कि विवाह पंजीयन के लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने हेतु प्रदेश के समस्त कलेक्टरों का ध्यान आकृष्ट किया गया है। जिलों में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री निकाह योजना एवं अन्य सामूहिक विवाहों में कार्यक्रम स्थल पर ही विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने का सुझाव दिया गया है। आयुक्त श्री मिश्रा ने सामूहिक विवाह कराने वाली सभी संस्थाओं से जागरूकता बढ़ाने मुहिम में बढ़-चढकर हिस्सा लेने की अपील की है।

सीवियर स्वास्थ्य शिविर में 70 उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों का फाइब्रोस्कैन परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वस्थ यकृत मिशन के तहत सिविल हास्पिटल सिरमौर में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 70 उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों का फाइब्रोस्कैन परीक्षण किया गया। यह अभियान उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल के प्रयासों और कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है।

शिविर का संचालन सी एम एच ओ डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशानुसार किया गया। डॉ. अंकित तिवारी, बी एम ओ सिरमौर ने बताया कि फाइब्रोस्कैन लिवर की जांच का एक आधुनिक और बिना दर्द वाला परीक्षण है। इसके माध्यम से लिवर की कठोरता (फाइब्रोसिस) और वसा की मात्रा (फैटी लिवर) का सटीक आकलन किया जाता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है, जो मोटापा, मधुमेह या अत्यधिक शराब सेवन जैसे जोखिम कारकों से प्रभावित हैं।

शिविर में आए प्रतिभागियों को डॉक्टरों द्वारा व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श दिया गया और आवश्यक जीवनशैली सुधार जैसे सुझाव भी साझा किए गए। प्रतिभागियों को पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम और शराब से बचाव के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों में लिवर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और शुरुआती चरण में लिवर रोगों की पहचान सुनिश्चित करना था। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के शिविर लिवर रोगों के रोकथाम और समय पर इलाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। डॉ. अंकित तिवारी ने कहा, समय पर जांच और जागरूकता से लिवर से जुड़ी गंभीर बीमारियों को रोका जा सकता है।

स्कॉर्पियो ने 4 को कुचला, मरने वाले तीन लोग एक ही परिवार के; सड़क पर काफी देर तक पड़े रहे शव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत तेंदुआ कोठार में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क पार कर रहे चार लोगों को कुचल दिया। चारों की मौत हो गई। मरने वाले तीन लोग एक ही परिवार के बताए गए हैं। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक तीन लोग पैदल सड़क पार कर रहे थे। जबकि एक व्यक्ति बाइक पर जा रहा था। घटना रविवार शाम की है।

हादसे के बाद तीन शव काफी देर तक सड़क पर ही पड़े रहे। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही गढ़ और मनगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

रीवा से प्रयागराज की तरफ जा रही थी स्कॉर्पियो: स्कॉर्पियो छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो स्कॉर्पियो (सीजी 07सीएस7987) रीवा से प्रयागराज की तरफ जा रही थी। इसी दौरान ये हादसा हो गया। हादसे के बाद काफी देर तक रीवा-प्रयागराज मार्ग पर जाम की स्थिति रही। जाम खुलवाने में पुलिस प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, हादसे में घायलों का हाल जानने कलेक्टर प्रतिभा पाल, कमिश्नर बीएस जामोद और एसपी शैलेंद्र सिंह अस्पताल पहुंचे।

प्लांट में दूसरे प्रदेशों से आने वाले कचरे पर रोक, काले पानी से गोवंश की मौत का हुआ खुलासा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने पहाड़िया स्थित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्लांट का निरीक्षण कर अव्यवस्था, मानकों के उल्लंघन और लापरवाही पर रेमकी कंपनी के अधिकारियों को जमकर लताड़ा। आयुक्त ने तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। प्लांट के काले पानी से गोवंश की मौत, ग्रामीणों की परेशानियां और गोवंश की हड्डियों का खुलासा करने के बाद मामला गंभीर हुआ। इसी के बाद डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि प्लांट में अब सिर्फ रीवा और आसपास का ही कचरा निस्तारित किया जाएगा। बाहर से आने वाले कचरे पर पूरी रोक लगा दी गई है।

प्लांट में गंदगी, खराब प्रबंधन और गाइडलाइन उल्लंघन उजागर: निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने ठोस अपशिष्ट निस्तारण, मशीनरी संचालन, लीचेट प्रबंधन, दुर्गंध नियंत्रण और पर्यावरणीय मानकों की स्थिति का मौके पर परीक्षण किया। उन्होंने पाया कि कचरा परिसर में जमा है। लीचेट नियंत्रण बेहद कमजोर, दुर्गंध से आसपास के ग्रामीण परेशान, गाइडलाइन का पालन नहीं। इस पर आयुक्त ने रेमकी कंपनी को कड़े शब्दों में फटकार लगाई।

आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि लीचेट किसी भी हाल में बाहर न जाए, प्लांट परिसर में ही ड्रेनेज सिस्टम और अलग लीचेट तालाब बनाया जाए, बाहर से आने वाले कचरे पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाए, अन्यथा दंडात्मक कार्रवाई होगी।

दुर्गंध रोकने 20,000 पौधे लगाने के निर्देश: आसपास के ग्रामीणों की शिकायतों का जिक्र करते हुए आयुक्त ने कहा दुर्गंध और धूल नियंत्रण को प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही प्लांट के चारों ओर बफर ज़ोन बनाया जाए, 20,000 पौधारोपण तत्काल किए जाएं, प्रत्येक वर्ष समान संख्या में पौधे लगाए जाएं।

मृत पशुओं के निपटान की क्षमता बढ़ाने के निर्देश: आयुक्त ने एनिमल कार्कस डिस्पोज़ल सिस्टम की क्षमता बढ़ाने को कहा, ताकि मृत पशुओं का वैज्ञानिक और त्वरित निपटान हो सके। उन्होंने चेतावनी दी कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में किसी भी तरह की लापरवाही पर्यावरण और नगर निगम की साख दोनों के लिए हानिकारक है। किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नुक्कड़ नाटक का आयोजन संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशन में ग्राम सिसवालाल विद्यालय में वंदे मातरम गायन के उपरांत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत प्रेरक एवं जनजागरूकता से भरपूर नुक्कड़ नाटक का आयोजन सर्व सेवा सामाजिक उत्थान संस्थान रोझोही, सिरमौर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य समाज में महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, तथा बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना रहा।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजेन्द्र खरे ने कहा कि बेटियाँ समाज की नींव हैं यदि उन्हें शिक्षा, सम्मान और अवसर मिले, तो वे परिवार और समाज दोनों को नई दिशा दे सकती हैं। सर्व सेवा सामाजिक उत्थान संस्थान के अध्यक्ष मुकेश सिंह, सचिव रामनारायण मिश्रा, जीवनदास मिश्रा सहित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के संदेश को जनसामान्य तक पहुँचाने की प्रेरणा दी। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुति, संवादों की प्रभावशीलता और भावनात्मक दृश्यों ने उपस्थित दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, छात्र-छात्राएँ, शिक्षकगण, अभिभावक तथा समुदाय के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रीवा एवं राज्य कार्यालय के निर्देशानुसार माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रीवा राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं न्यायाधीश/सचिव समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में शनिवार को विधिक जागरूकता एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ स्वामी विवेकानंद पार्क से प्रारंभ होकर शिल्पी प्लाजा होते हुए एडीआर भवन पर संपन्न हुई।

रीवा से 2 घंटे में दिल्ली की यात्रा कर सकेंगे, कल से उड़ान भरेगी अलायंस एयर की फ्लाइट; सप्ताह में तीन दिन चलेगी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नव निर्मित एयरपोर्ट से भी अब दिल्ली के लिए फ्लाइट शुरू हो रही है। अलायंस एयर की यह उड़ान कल यानी 10 नवम्बर से शुरू होगी। सप्ताह में 3 दिन ये फ्लाइट मिलेगी। जो दो घंटे में रीवा से दिल्ली पहुंचा देगी।

इसी के साथ विंध्यवासियों के लिए हवाई सेवाओं के इंतजार की घड़ी समाप्त हो रही है। रीवा, विंध्य और आसपास के लोगों को दिल्ली के लिए वायु सेवा का नियमित लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। रीवा से दिल्ली के लिए अभी 72 सीटर विमान चलेगा। 10 नवम्बर को रीवा एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और एलायंस एयर के एटीआर 72 को दोपहर 12 बजे दिल्ली के लिए रवाना करेंगे। शुभारंभ कार्यक्रम एयरपोर्ट रीवा में सुबह 11 बजे से शुरू होगा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र में हवाई सुविधाओं में वृद्धि होने के साथ ही आर्थिक सुदृढ़ता आई है। यह एयरपोर्ट केवल आधारभूत संरचना नहीं बल्कि विंध्य क्षेत्र के विकास को दिशा देने वाला माध्यम है।

इससे क्षेत्र की आर्थिक, पर्यटन और औद्योगिक प्रगति का नया अध्याय लिखा जा रहा है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए एटीआर-72 विमान के संचालन से विंध्य क्षेत्र के साथ ही जिले से लगे उत्तरप्रदेश के लोगों को भी लाभ मिलेगा। दिल्ली के लिए वायु सेवा शुरू होने से विशेष रूप से व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि रीवा से इंदौर के लिए भी वायु सेवा जल्द शुरू होगी। जहां यात्रियों को इंदौर से देश के अन्य शहरों के लिए भी वायुयान उपलब्ध हो सकेंगे।

रीवा जोन में ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत अवैध नशे के खिलाफ सख्त कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के दिशा में पुलिस विभाग लगातार सक्रिय है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देशन में और पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत के नेतृत्व में, अवैध नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए ऑपरेशन प्रहार 2.0 चलाया जा रहा है। इसके तहत रीवा संभाग के सभी जिलों में पुलिस थाना क्षेत्रों में अवैध मादक पदार्थों के तस्करों और विक्रेताओं पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है।

09 नवंबर को ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत रीवा जोन में अवैध नशे के खिलाफ विभिन्न कार्यवाहियां की गई। इस दौरान गांजा, नशीली कैप्सूल/कफ सिरप और ब्राउन सुगर के अवैध कारोबारियों को निशाना बनाया गया। रीवा जोन में कुल 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 02 किलो 764 ग्राम गांजा, 20 शीशी नशीली कफ सिरप, 160 नशीली कैप्सूल, और 2.181 ग्राम ब्राउन सुगर जब्त की। इसके अतिरिक्त 02 मोटर साइकिलें भी बरामद की गईं। इन मादक पदार्थों की कुल कीमत लगभग 2,36,009 रुपये आंकी गई है।

पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत ने कहा कि ऑपरेशन प्रहार 2.0 का उद्देश्य न केवल अवैध नशे के कारोबार को रोकना है, बल्कि समाज से नशे की कुप्रभावों को समाप्त करना भी है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई में सहयोग करें और अवैध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

इस अभियान से रीवा संभाग में नशे के खिलाफ प्रशासन की सख्त चेतावनी स्पष्ट होती है। पुलिस विभाग का मानना है कि लगातार प्रभावी कार्रवाई और जनता के सहयोग से रीवा संभाग में नशा मुक्त वातावरण बनाना संभव होगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।